LATEST EDITION

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान पटवार

राजस्थान अधीनस्थ और मंत्रिस्तरीय सेवा चयन बोर्ड (RSMSSB)

HANDWRITTEN NOTES

भाग-4

भूगोल (भारत + राजस्थान), कला एवं संस्कृति

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान पटवार

राजस्थान अधीनस्थ और मंत्रिस्तरीय सेवा चयन बोर्ड (RSMSSB)

भाग – 4

भूगोल (भारत + राजस्थान) , कला एवं संस्कृति

<u>प्रस्तावना</u>

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स **"राजस्थान पटवारी नोट्स"** को एक विभिन्न अपने - अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा चयन बोर्ड (RSMSSB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा **"राजस्थान पटवारी भर्ती परीक्षा – 2023** में पूर्ण संभव मदद करेंगे ।*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स मे कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूची पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : https://www.infusionnotes.com

Whatsapp करें - https://wa.link/0yupe6

Online Order करें - https://shorturl.at/pwFNP

मूल्य : (₹)

संस्करण : नवीनतम (2023)

	भारत का भूगोल	
क्र.सं.	अध्याय	पेज नंबर
1.	सामान्य परिचय	1
2.	भारत की स्थिति व विस्तार	2
3.	प्रमुख स्थलाकृतियाँ	10
4.	मानसून तंत्र व वर्षा का वितरण	32
5.	प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	47
6.	मृदा	61
7.	वन एवंवनस्पति ,	65
8.	प्रमुख फसलें	72
9.	प्रमुख खनिज	81
10.	ऊर्जा संसाधन	87
11.	पर्यावरणीय एवं पारिस्थिकीय मुद्दे	95
	राजस्थान का भूगोल	
1.	सामान्य परिचय	112
2.	प्रमुख भू - आकृतिक प्रदेश एवं उनकी विशेषताएं	133
3.	जलवायु की विशेषताएं	149
4.	प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	160

5.	प्राकृतिक वनस्पति	183
6.	मृदा	194
7.	प्रमुख फसलें	200
8.	राजस्थान में पशुपालन	213
9.	प्रमुख उद्योग	221
10.	प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ एवं जल संरक्षण तकनीकें	224
11.	जनसंख्या,घनत्व ,वृद्धि- साक्षरता लिंगानुपात ,एवं प्रमुख जनजातियाँ	235
12.	खनिजधात्विक- एवं अधात्विक	250
13.	ऊर्जा संसाधनपरम्परागत- एवं गैर परम्परागत	265
14.	जैव विविधता एवं इनका संरक्षण	277
15.	पर्यटन स्थल एवं परिपथ	282
	कला संस्कृति	
1.	स्थापत्य कला की प्रमुख विशेषताएं • मंदिर • राजस्थान की मस्जिदें , दरगाह एवं मक़बरे • किले एवं महल(स्मारक) • राजस्थान की प्रमुख छत्तरियाँ • राजस्थान की प्रमुख हवेलियाँ	301
2.	चित्रकलाएं	338
3.	हस्तशिल्प	348

4.	राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियाँ एवं क्षेत्रीय बोलियाँ	357
5.	मेले एवं त्योंहार	371
6.	लोक संगीत एवं लोक नृत्य • राजस्थान के लोक नाट्य	383
7.	राजस्थानी संस्कृति ,परम्परा एवं विरासत	408
8.	वेशभूषा एवं आभूषण	413
9.	राजस्थान के धार्मिक आंदोलन	417
10.	लोक देवियाँ एवं लोक देवता	426

भारत का भूगोल

अध्याय – I
सामान्य परिचय

- **अर्थ एवं परिभाषा :-** "ज्योग्राफी" (Geography) अंग्रेजी भाषा का शब्द है, जो ग्रीक (यूनानी) भाषा में **'ज्योग्राफिया'** (Geographia) शब्दावली से प्रेरित है। इसका शाब्दिक अर्थ "पृथ्वी का वर्णन करना है।"
- ज्योग्राफिया शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग यूनानी विद्वान **'इरैटॉस्थनीज'** (Eratosthenes 276-194 ई. पू.) ने किया था, इसके पश्चात विश्व स्तर पर इस पृथ्वी के विज्ञान विषय को ज्योग्राफी (भूगोल) नाम से जाना जाने लगा।
- यूनानी एवं रोमन अधिकांश विज्ञानों ने पृथ्वी को ' चपटा ' या ' तश्तरीनुमा ' माना, जबकि भारतीय साहित्य में पृथ्वी एवं अन्य आकाशीय पिण्डों को हमेशा ' गोलाकार ' मान कर वर्णन किया। इसलिए इस विज्ञान को ' भूगोल ' के नाम से जाना जाता है।
- भूगोल 'पृथ्वी तल' या भू तल (Earthsurface) का विज्ञान है। इसमें स्थान (Space) व उसके विविध लक्षणों (Variable Characters), वितरणों (Distributions) तथा स्थानिक सम्बंधों (Spatial Relations) का मानवीय संसार (World of man) के रूप में अध्ययन किया जाता है।
- "पृथ्वी तल" भूगोल की आधारशिला है, जिस पर सभी भौतिक मानवीय घटनाएँ एवं अन्तः कियाएँ सम्पन्न होती रही हैं। ये सभी क्रियाएँ ' समय ' एवं ' स्थान ' के परिवर्तनशील सम्बन्ध में घटित हो रही है।
- पृथ्वी तल का भौगोलिक शब्दार्थ बहुत व्यापक है, जिसमें स्थल मण्डल, जल मण्डल, वायुमण्डल, जैव मण्डल, पृथ्वी पर सूर्य तथा चन्द्रमा का प्रभाव एवं पृथ्वी की गतियों का वैज्ञानिक आंकलन किया जाता है। भूगोल में भौतिक एवं मानवीय पहलूओं और उनमें पारस्परिक सम्बंधों का अध्ययन किया जाता है। इसलिए प्रारम्भ से ही भूगोल विषय की दो प्रमुख शाखाएँ उभर कर आयी है।
  (I) भौतिक भूगोल (ii) मानव भूगोल
- कालान्तर में विशिष्टीकरण (वर्ष 1950 के पश्चात) बढ़ने से इन दो शाखाओं की अनेक उप शाखाएँ विकसित होती गयी, जिससे विषय सामग्री एवं विषय क्षेत्र में समृद्धि आती गई।
- भूगोल की प्रमुख शाखाएँ एवं उप शाखाएँ निम्नलिखित है. –

भौतिक भूगोल	मानव भूगोल
1. भू गणित (Geodesy)	1.आर्थिक भूगोल (Economic Geography)
2.भू भौतिकी (Geophysics)	2. कृषि भूगोल (Agricultural Geography)
3.खगोलीय भूगोल (Astronomical Geog.)	3. संसाधन भूगोल (Resource Geography)
4.भू आकृति विज्ञान (Geomorphology)	4. औद्योगिक भूगोल (Industrial Geography)
5. जलवायु विज्ञान (Climatology)	5. परिवहन भूगोल (Transport Geography)
6.समुद्र विज्ञान (Oceanography)	6. जनसंख्या भूगोल (Population Geography)
7.जल विज्ञान (Hydrology)	7. अधिवास भूगोल (Settlement Geography) (i) नगरीय भूगोल (Urban Geography) (ii) ग्रामीण भूगोल (Rural Geography)
8.हिमनद विज्ञान (Glaciology)	8. राजनीतिक भूगोल (Political Geography)
9.मृदा विज्ञान (Soil Geography)	9. सैन्य भूगोल (Military Geography)
10. जैव विज्ञान (Bio - Geography)	10. ऐतिहासिक भूगोल (Historical Geography)
11. चिकित्सा भूगोल (MedicalGeography)	11. सामाजिक भूगोल (Social Geography)
12. पारिस्थितिकी /पर्यावरण भूगोल (Ecology / Environment Geography)	12.सांस्कृतिक भूगोल (Cultural Geography)
13. मानचित्र कला (Cartography)	13. प्रादेशिक नियोजन(Regional Planning)
	14. दूरस्थ संवेदन व जी.आई.एस.(Remote Sensing and G.I.S.)

अभ्यासार्थ प्रश्न

1. भूगोल की जिस शाखा में तापमान, वायुदाब, पवनों की दिशा एवम् गति,आर्द्रता, वायुराशियाँ, विक्षोभ आदि के विषय में अध्ययन किया जाता है , वह है-
(अ) खगोलीय भूगोल
(ब) मृदा भूगोल
(स) समुद्र विज्ञान
(द) जलवायु विज्ञान **(द)**

2. भूगोल की दो प्रमुख शाखाएँ हैं
(अ) कृषि भूगोल एवं आर्थिक भूगोल
(ब) भौतिक भूगोल एवं मानव भूगोल
(स) पादप भूगोल एवं जीव भूगोल
(द) मौसम भूगोल एवं जलवायु भूगोल **(ब)**

3. किस भूगोलवेत्ता ने भूगोल (Geography) शब्दावली का सर्वप्रथम उपयोग किया ?
(अ) इरेटॉस्थेनीज
(ब) हेरेडोइस
(स) स्ट्रैबो
(द) टॉलमी **(अ)**

4. पृथ्वी की आयु मानी जाती है
(अ) 4.8 अरब वर्ष
(ब) 5.0 अरब वर्ष
(स) 4.6 अरब वर्ष
(द) 3.9 अरब वर्ष **(स)**

अध्याय – 2

भारत की स्थिति व विस्तार

- आर्यों की भरत नाम की शाखा अथवा महामानव भारत के नाम पर हमारे देश का नामकरण भारत हुआ ।
- प्राचीन काल में आर्यों की भूमि के कारण यह आर्यावर्त के नाम से जाना जाता था ।
- ईरानियों ने सिन्धु नदी के तटीय निवासियों को हिन्दू एवं इस भू - भाग को हिन्दुस्तान का नाम दिया ।
- रोम निवासियों ने सिन्धु नदी को इण्डस तथा यूनानियों ने इण्डोस व इस देश को इण्डिया कहा । यही देश विश्व में आज भारत के नाम से विख्यात है ।
- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. (1269219.34 वर्ग मील) है।

कर्क रेखा अर्थात् 23½ उत्तरी अक्षांश हमारे देश के लगभग मध्य से गुजरती है यह रेखा भारत को दो भागों में विभक्त करती है (1) उत्तरी भारत , जो शीतोष्ण कटिबन्ध में फैला है तथा (2) दक्षिणी भारत , जिसका विस्तार उष्ण कटिबन्ध है।

- भारत सम्पूर्ण विश्व का लगभग 1/46 वाँ भाग है।
- क्षेत्रफल के अनुसार रूस , कनाडा , चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राज़ील व ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत का विश्व में 7वाँ स्थान है ।
- यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है ।

कर्क रेखा भारत के आठ राज्यों क्रमशः गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, प. बंगाल, त्रिपुरा व मिजोरम है।

NOTE- राजस्थान की राजधानी जयपुर, त्रिपुरा की राजधानी अगरतला व मिजोरम की राजधानी आइजोल कर्क रेखा के उत्तर में तथा शेष राज्यों की राजधानियाँ दक्षिण में स्थित है।

NOTE – मणिपुर कर्क रेखा के सर्वाधिक उत्तर में स्थित है ।

प्रश्नः- निम्न में से कौन सा भारत का राज्य कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है ? (RAS PRE. 2015)

(1) त्रिपुरा **(2) मणिपुर**

(3) मिजोरम **(4) झारखण्ड**

उत्तर :- (2)

NOTE- कर्क रेखा राजस्थान से न्यूनतम व मध्यप्रदेश से सर्वाधिक गुजरती है।

- भारत का आकार जापान से नौं गुना तथा इंग्लैण्ड से 14 गुना बड़ा है ।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में पाकिस्तान एवं अरब सागर है।
- भारत को श्रीलंका से अलग करने वाला समुद्री क्षेत्र मन्नार की खाड़ी (Gulf of Mannar) तथा पाक जलडमरूमध्य (Palk Strait) है।
- प्रायद्वीप भारत (मुख्य भूमि) का दक्षिणतम बिन्दु - कन्याकुमारी के पास केप कोमोरिन (तमिलनाडु) है।
- भारत का सुदूर दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में है)।
- भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख) है ।

- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30 पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है। यह मानक समय रेखा भारत के 5 राज्यों क्रमशः उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व आंध्रप्रदेश है।
- कर्क रेखा व मानक रेखा छत्तीसगढ़ राज्य में एक दुसरे को काटती है।
- भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

भारत की तटीय / समुद्री सीमा = तट रेखा की लम्बाई 7516.6 मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

कुल राज्य = 9 [i. पश्चिमी तट के राज्य- गुजरात (राज्यों में सबसे लंबी तट रेखा), महाराष्ट्र, गोवा (राज्यों में सबसे छोटी तट रेखा), कर्नाटक व केरल ii. पूर्वी तट के राज्य प. बंगाल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु]
कुल केंद्र शासित प्रदेश= अंडमान निकोबार (सर्वाधिक), लक्षद्वीप, दमन व दीव तथा (न्यूनतम) पुद्दुचेरी

- भारत के 16 राज्य व 2 केंद्र शासित प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाते है ।

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु

- दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप)
- उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख)
- पश्चिमी बिन्दु- गोहर माता (गुजरात)
- पूर्वी बिन्दु- किबिथु (अरुणाचल प्रदेश)
- मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी के पास केप कोमोरिन (तमिलनाडु)

स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य

पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख
अफगानिस्तान (1)	लद्दाख
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (5)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य	
राज्य	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
राजस्थान	342239
मध्यप्रदेश	308245
महाराष्ट्र	307713
उत्तर प्रदेश	240928
गुजरात	196024

प्रश्नः- भारत के कुल भू-भाग का कितना प्रतिशत क्षेत्र राजस्थान में है ?

(1) 10.4 % **(2) 7.9%**

(3) 13.3 % **(4) 11.4 %**

उत्तर – (1)

शीर्ष पाँच भौगोलिक क्षेत्र वाले जिले भारत में	
जिला	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
लेह	45110
जैसलमेर	38428
बाड़मेर	28387
बीकानेर	27284

- जनसंख्या की दृष्टि से सिक्किम भारत का सबसे छोटा राज्य है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह सबसे बड़ा केन्द्र-शासित प्रदेश है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र -शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से दिल्ली सबसे बड़ा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- उत्तर प्रदेश की सीमा सबसे अधिक राज्यों (8) को छूती है- उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं बिहार।
- भारत में सर्वाधिक नगरों वाला राज्य उत्तर प्रदेश है जबकि मेघालय में सबसे कम नगर हैं।
- भारत में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला राज्य महाराष्ट्र है जबकि सबसे कम नगरीय जनसंख्या सिक्किम में है।

प्रमुख चैनल / जलडमरूमध्य	
विभाजित स्थल खण्ड	**चैनल / खाड़ी / स्ट्रेट**
इन्दिरा प्वाइंट-इण्डोनेशिया	ग्रेट चैनल
लघु अंडमान-निकोबार	10° चैनल
मिनीकॉय-लक्षद्वीप	9° चैनल
मालदीव-मिनीकाय	8° चैनल
भारत-श्रीलंका	पाक जलडमरूमध्य

- **अभ्यासार्थ प्रश्न**

1. भारत का अक्षांशीय व देशांतरिय विस्तार क्रमशः है-

(A) 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी आक्षांश तथा 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पश्चिमी देशान्तर तक

(B) 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी आक्षांश तथा 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक

(C) 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' दक्षिणी आक्षांश तथा 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक

(D) 68°7' उत्तरी अक्षांश से 97°25' उत्तरी आक्षांश तथा 8°4' पूर्वी देशान्तर से 37°6' पूर्वी देशान्तर तक

उत्तर :- (B)

2. कर्क रेखा भारत के कितने राज्यों से होकर गुजरती है?

(A) 5 (B) 6

(C) 7 (D) 8 **(D)**

3. भारत के किस राज्य की सीमा नेपाल के साथ सीमा नहीं बनाती है?

(A) पश्चिम बंगाल (B) सिक्किम

(C) बिहार (D) हिमाचल प्रदेश **(D)**

4. प्राचीन भारतीय भौगोलिक मान्यता के अनुसार भारतवर्ष किस द्वीप का अंग था ?

(A) पुष्कर द्वीप (B) जम्बू द्वीप

(C) कांच द्वीप (D) कुश द्वीप **(B)**

5. भारतीय भूभाग का कुल क्षेत्रफल लगभग है-

(A) 32,87,263 वर्ग किमी.

(B) 1269219.34 वर्ग मील

(C) 32,87,263 वर्ग एकड़

(D) A व B दोनों **(D)**

6. भारत और श्रीलंका को अलग करने वाली जलसंधि है-

(A) कुक जलसंधि (B) मलक्का जलसंधि

(C) पाक जलसंधि (D) सुंडा जलसंधि **(C)**

7. किस भारतीय राज्य की सीमा सर्वाधिक राज्यों की सीमा को स्पर्श करती है?

(A) मध्य प्रदेश (B) असम

(C) उत्तर प्रदेश (D) आन्ध्र प्रदेश **(C)**

8. निम्नलिखित प्रमुख भारतीय नगरों में से कौन-सा एक सबसे अधिक पूर्व की ओर अवस्थित है?

(A) हैदराबाद (B) भोपाल

(C) लखनऊ (D) बैंगलुरु **(C)**

9. भारत के किस प्रदेश की सीमाएं तीन देशों क्रमशः नेपाल, भूटान एवं चीन से मिलती हैं?

(A) अरुणाचल प्रदेश (B) मेघालय

(C) पश्चिम बंगाल (D) सिक्किम **(D)**

10. भारत के कितने राज्यों से समुद्र तटरेखा संलग्न है?

(A) 7 (B) 8

(C) 9 (D) 10 **(C)**

11. निम्न नगरों में से कौन-सा कर्क रेखा के निकटतम है ?

(A) कोलकाता (B) दिल्ली

(C) जोधपुर (D) नागपुर **(A)**

12. निम्नलिखित में से किस द्वीप युग्म को 10डिग्री चैनल अलग करता है ?

(A) दक्षिणी अंडमान तथा लिटिल अंडमान

(B) लक्षद्वीप एवं मिनिकाय

(C) छोटा अंडमान तथा कार निकोबार

(D) पंबन तथा मन्नार **(C)**

13. भारतीय मानक समय (IST) निम्नलिखित स्थानों में से किसके समीप से लिया जाता है -

(A) लखनऊ (B) इलाहाबाद (नैनी)

(C) मेरठ (D) मुजफ्फरनगर **(B)**

14. यदि अरुणाचल प्रदेश में सूर्योदय 5.00 बजे प्रातः (IST) पर होता है, तो गुजरात में काण्डला में सूर्योदय किस समय (IST) पर होगा ?

(A) लगभग 6.00 प्रातः

(B) लगभग 5.30 प्रातः

(C) लगभग 7.00 प्रातः

(D) लगभग 7.30 प्रातः **(C)**

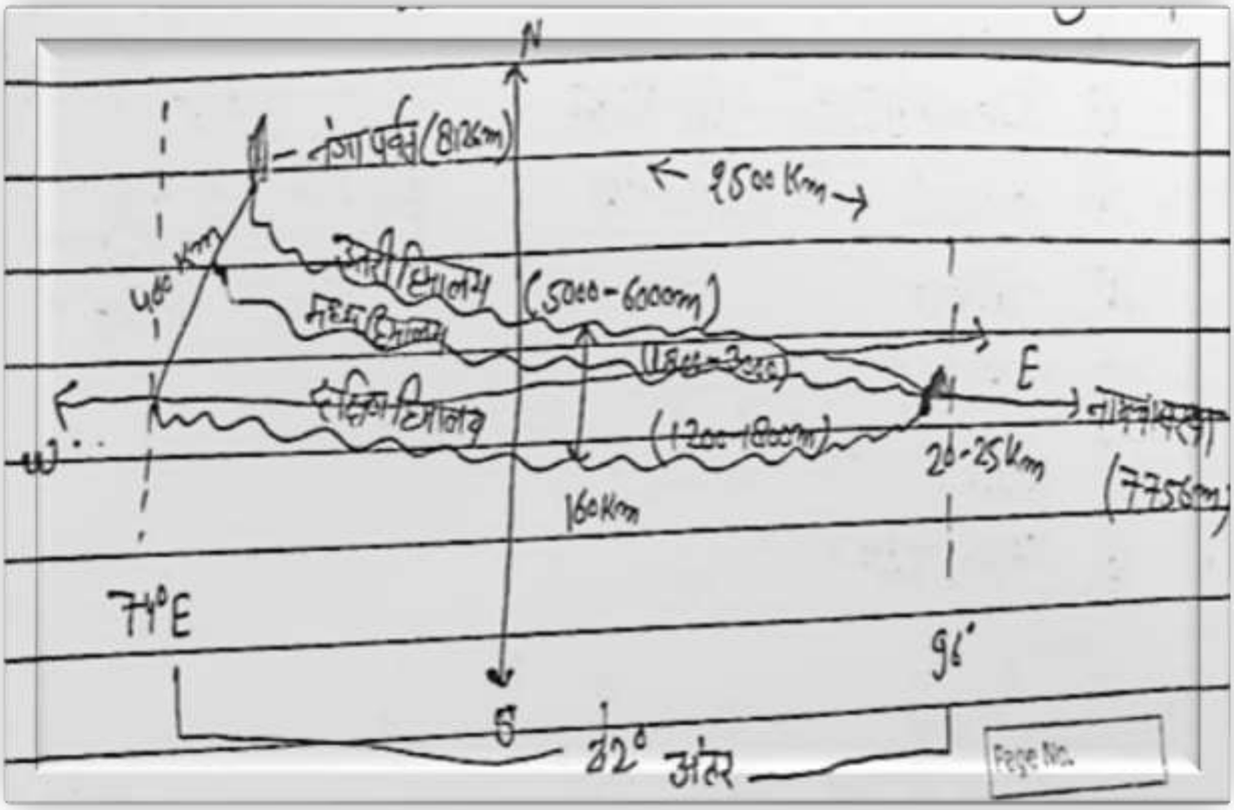

हिमालय की उत्पत्ति

- हिमालय एक नवीन मोड़दार पर्वत है ।
- नवीन मोड़दार पर्वतों की उत्पत्ति के विषय में कई सिद्धान्त प्रस्तुत किये गये हैं , किन्तु भूसंनतियों (Geosynclines) से नवीन मोड़दार पर्वतों की उत्पत्ति का मत अधिक मान्य है। यही बात हिमालय की उत्पत्ति पर भी लागू होती है ।
- लम्बे , संकड़े , छिछले व कमजोर तली वाले सागरीय भागों को भूसंनति कहा जाता है ।
- करोड़ों वर्ष पूर्व विश्व के सभी महाद्वीप एक बड़े स्थलखण्ड के रूप में थे , जिसे पैन्जिया नाम दिया गया है । इसका उत्तरी भाग लॉरेशिया तथा दक्षिणी भाग गोंडवानालैण्ड के नाम से जाना जाता है ।
- यूरेशिया वाले भाग को अंगारालैण्ड कहा जाता है । आज जहाँ हिमालय है वहाँ अंगारलैण्ड व गोंडवानालैण्ड के मध्य टेथिस सागर (Tethys Sea) नामक विशाल भूसंन्नती थी ।
- इसमें दोनों ओर से बहकर आने वाली नदियों द्वारा तलछट जमा होती रही । यद्यपि भूसंनति छिछली होती है , किन्तु निक्षिप्त तलछट के दबाव से इसकी तली धंसती रहती है तथा तलछट जमा होती रहती है । इस प्रकार टेथिस सागर में हजारों फीट की गहराई तक तलछट जमा होती रही ।
- तत्पश्चात् विभिन्न कारणों से इस तलछट पर दबाव पड़ने से इसमें वलन या मोड़ पड़े , जिसके परिणामस्वरूप हिमालय की उत्पत्ति हुई ।
- दबाव पड़ने की दिशा व कारणों के बारे में काफी मत भिन्नताएँ हैं कोबर (Kober) का मानना है कि भूसंनति में निक्षिप्त तलछट पर दोनों ओर से दबाव पड़ने के कारण मोड़दार पर्वतों की उत्पत्ति होती है । दबाव डालने वाले दोनों ओर के इन प्रदेशों को उन्होंने अग्र प्रदेश (Foreland) कहा अग्र प्रदेशों के दबाव के कारण इनके तटीय क्षेत्रों में वलन पड़ते हैं, तथा मध्यवर्ती भाग साधारणत : इस वलन प्रक्रिया से अछूता रहने के कारण समतल उच्च भूमि के रूप में रह जाता है , जिसे कोबर मध्य पिण्ड (Median Mass) कहते हैं ।
- उनके अनुसार हिमालय के संदर्भ में अंगारालैण्ड व गोण्डवानालैण्ड दोनों ही अग्र प्रदेश हैं तथा तिब्बत का पठार एक मध्य पिण्ड है , जैसा कि चित्र दर्शाया गया है ।

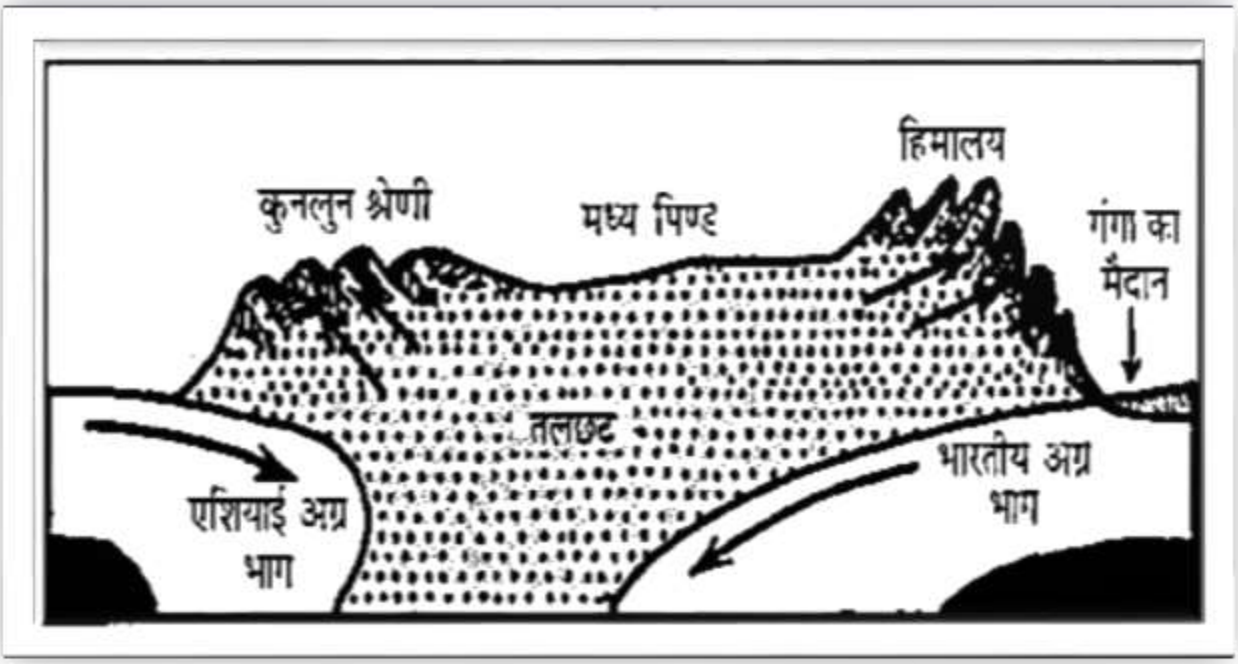

इसे भौगोलिक दृष्टि से तीन मुख्य भागों में बांटा जाता है –

1. महा हिमालय (Greater Himalayas)
2. लघु हिमालय (Lesser Himalayas)
3. शिवालिक हिमालय (Shivalik Himalayas)

NOTE- कुछ भूगोलवेत्ता ट्रांस हिमालय को भी इसका भाग मानते है

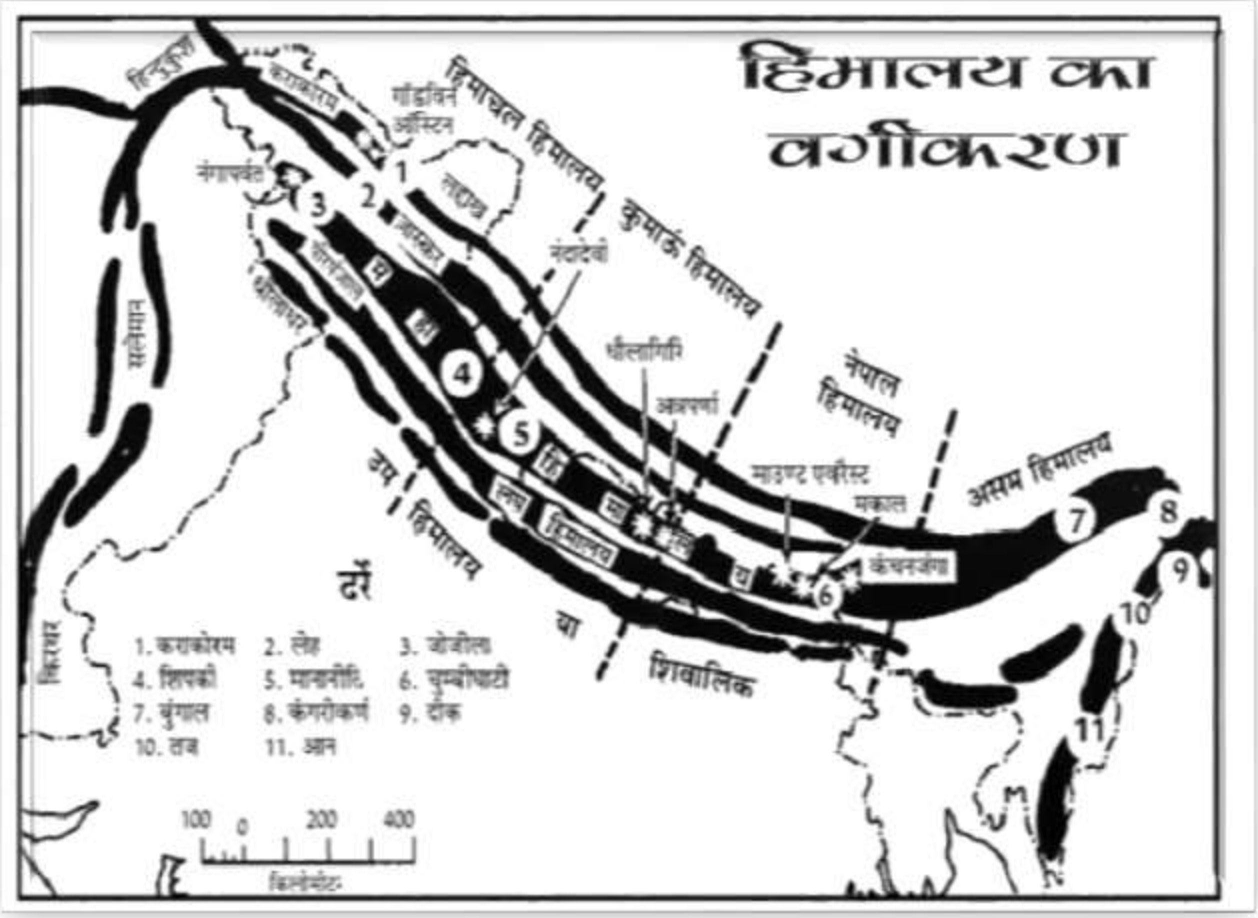

ट्रांस हिमालय :-

- ट्रांस हिमालय का निर्माण हिमालय से भी पहले हो चुका था।
- इसके अन्तर्गत काराकोरम, लद्दाख, कैलाश व जास्कर श्रेणी आती हैं।
- इन श्रेणियों पर वनस्पति का अभाव पाया जाता है।

(A) काराकोरम श्रेणी –

- यह ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी है।
- इसकी खोज वर्ष 1906 स्वेन हेडन ने की थी।
- इस श्रेणी को "एशिया की रीढ़" कहा जाता है।
- भारत की सबसे ऊँची चोटी k2 या गाडविन ऑस्टिन (8611मी.) काराकोरम श्रेणी पर ही स्थित है।
- यह विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है ।
- काराकोरम दर्रा एवं इंदिरा कॉल इसी दर्रा में स्थित है।
- काराकोरम दर्रा (विश्व का सबसे ऊँचा दर्रा) काराकोरम श्रृंखला पर स्थित कश्मीर को चीन से जोड़ने वाला संकीर्ण दर्रा हैं।
- काराकोरम श्रृंखला पर भारत का सबसे लम्बा ग्लेशियर सियाचिन स्थित है।
- विश्व का सबसे ऊँचा सैनिक अड्डा (सियाचिन) यहीं अवस्थित है।
- सियाचिन ग्लेशियर से नुब्रा नदी का उद्गम होता है जिसके प्रवाह क्षेत्र में घाटी का निर्माण होता है।
- काराकोरम श्रेणी पर चार प्रमुख हिमनद (ग्लेशियर) स्थित हैं।
  - सियाचिन (72 km)
  - बाल्टोरो - (58km)
  - बीयाफो – 63 km
  - हिस्पर (61 Km)

(B) लद्दाख श्रेणी –

- विश्व की सबसे तीव्र ढलान वाली चोटी राकापोशी (7788मी.) लद्दाख श्रेणी पर ही स्थित है ।
- लद्दाख श्रेणी दक्षिण पूर्व की ओर कैलाश श्रेणी के रूप में स्थित है।
- यह श्रेणी सिन्धु नदी व इसकी सहायक नदी के बीच जल विभाजक का कार्य करती है।
- इस श्रेणी में भारत का सबसे ऊँचा पठार " लद्दाख का पठार" स्थित है इसी पठार पर भू तापीय ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध पूंगा घाटी स्थित है ।
- यह भारत का न्यूनतम् वर्षा वाला क्षेत्र द्रास स्थित है ।
- इसका सर्वोच्च शिखर माउंट कैलाश है ।
- इस क्षेत्र में अलवणजल की झीलें जैसे- डल और वुलर तथा लवणजल झीलें जैसे- पैंगोंग सो (गलवान घाटी के नजदीक यह विश्व की सबसे ऊँची खारे पानी की झील है) और सोमुरीरी भी पाई जाती हैं ।

(C) जास्कर श्रेणी -

- यह लद्दाख हिमालय के समांतर दक्षिणी दिशा में स्थित हैं ।
- नंगा पर्वत इस पर्वत श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है।
- लद्दाख व जास्कर श्रेणीयों के बीच से ही सिन्धु नदी बहती है।
- इस श्रेणी में श्योक नदी प्रवाहित होती है।

उत्तरी हिमालय वृहत् या हिमाद्रि या महान हिमालय -

- इसका विस्तार नंगा पर्वत से नामचा बरवा पर्वत तक धनुष की आकृति में फैला हुआ है जिसकी कुल लम्बाई 2500 km तक है तथा औसत ऊँचाई 5000- 6000 मी. तक है।
- उत्तरी हिमालय को भौतिक विभाजन के दृष्टिकोण से दो भागों में बाँटा जा सकता है-
- विश्व की सर्वाधिक ऊँची चोटियाँ इसी श्रेणी पर पाई जाती है जिसमें प्रमुख है-
  - माउंट एवरेस्ट (8848 मी.) विश्व की सबसे ऊँची चोटी
  - कंचनजंगा (8598 मी.)
  - मकालू (8481 मी.)
  - धौलागिरी (8172 मी.)
  - अन्नपूर्णा (8076 मी.)
  - नंदा देवी (7817 मी.)
- एवरेस्ट को पहले तिब्बत में 'चोमोलुगंमा' के नाम से जाना जाता था जिसका अर्थ 'पर्वतो की रानी'।
- एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, धौलागिरि, नंगा पर्वत , नामचा बरवा इसके महत्त्वपूर्ण शिखर है ।
- भारत में हिमालय की सर्वोच्च ऊँची चोटी कंचनजंगा यही स्थित हैं ।
- यह विश्व की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है ।
- कश्मीर हिमालय **करेवा (karewa)** के लिए भी प्रसिद्ध है , जहाँ जाफरान (केसर की किस्म)की खेती की जाती है ।
- वृहत हिमालय में जोजीला , पीर पंजाल,बनिहाल , जास्कर श्रेणी में फोटुला और लद्दाख श्रेणी में खारदुन्गला जैसे महत्त्वपूर्ण दर्रे स्थित हैं ।

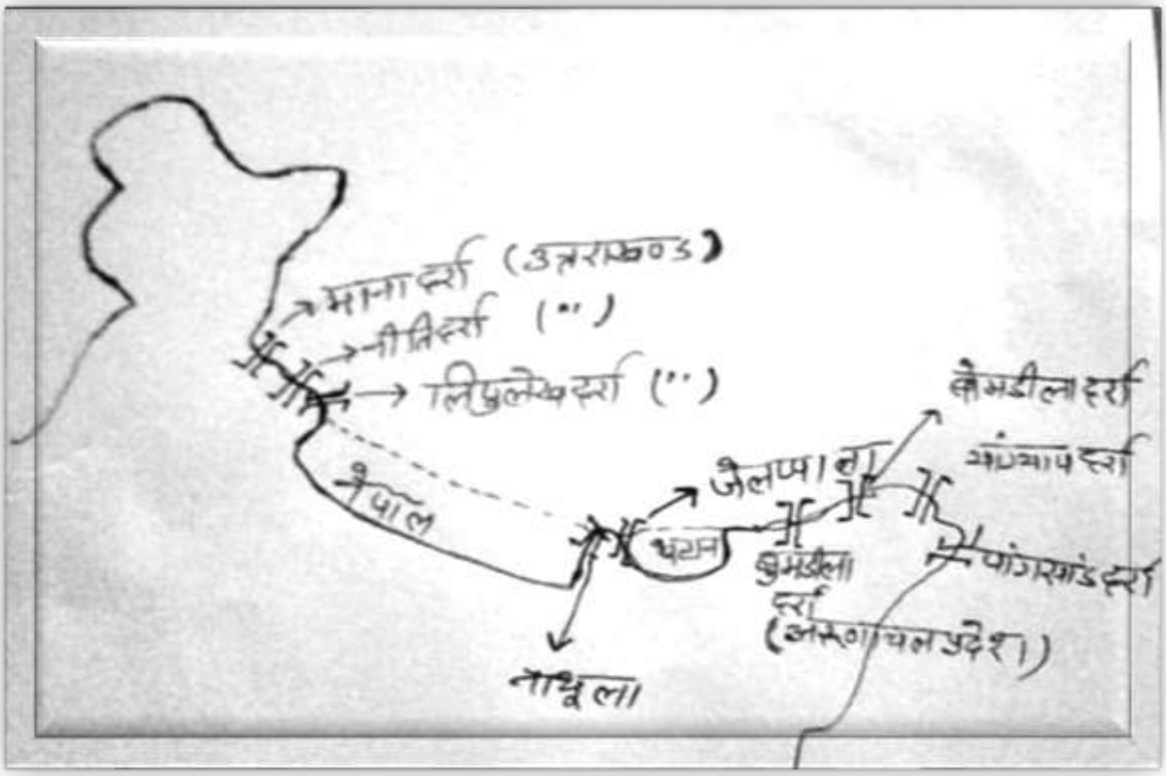

इंडो तिब्बत थ्रस्ट (IT THARST)	ट्रांस हिमालय को महान हिमालय से अलग
मुख्य केन्द्रीय दरार (MCT)	महान हिमालय को मध्य हिमालय से अलग
मुख्य सीमांत दरार (MBT)	मध्य हिमालय को शिवालिक हिमालय से अलग
हिमालयन फ्रंट फ़ॉल्ट (HFF)	शिवालिक हिमालय को गंगा के मैदान से अलग

- ***<u>मैदान</u>***

I. <u>उत्तर भारत का विशाल मैदान</u>

- उत्तरी मैदान का निर्माण इयोसीन काल से प्रारंभ हुआ। विभिन्न भौगोलिक हलचलों तथा नदियों द्वारा लाए गए अवसाद के कारण टेथिस सागर भरने लगा जिसके भरने से भारत के उत्तरी मैदान का निर्माण हुआ।
- यह मैदान हिमालय तथा प्रायद्वीपीय पठार के मध्य स्थित है जो लगभग 2400 km लम्बा 400 से 90 km चौड़ा है।
- इस मैदान में स्थित अवसादों की गहराई 2000 m तक है।
- इस मैदान का ढाल 25 cm से भी कम है वहीं इसकी समुद्र तल से ऊँचाई 250 - 300 m. है।

<u>उत्तरी मैदान के उपविभाग</u>

भाबर-

- यह हिमालय के शिवालिक पहाड़ियों के पाद में पाया जाता है। यहाँ नदियाँ अपने साथ कंकड़, पत्थर लेकर आती हैं जिन्हें निक्षेपित कर देती हैं ।
- इन कंकड़ पत्थरों के नीचे नदियाँ बहती हैं इसके कारण यह नदियाँ दिखाई नही देती हैं ।
- इस क्षेत्र की चौड़ाई 8-26 km होती है यह क्षेत्र कृषि के लिए अधिक उपयुक्त नहीं होता है ।

तराई -

- यह क्षेत्र भाबर के दक्षिण में पाया जाता हैं जिसकी चौड़ाई 20-30 km तक होती हैं । नदियाँ तराई क्षेत्र में महिन कणों को निर्क्षेपित करती हैं ।
- यह क्षेत्र दलदली क्षेत्र होता हैं भाबर में विलुप्त हुई नदियाँ इस क्षेत्र में पुन दिखाई देती हैं ।

खादर -

- नदी के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में व्याप्त नई जलोढ़ मृदा से निर्मित मैदान को खादर कहते हैं ।
- इन क्षेत्रो में अत्यधिक उपजाऊ मृदा पाई जाती हैं।
- साथ ही प्रतिवर्ष इनमें नई मृदा उपलब्ध होती है ।
- पंजाब में खादर के मैदान को 'बेट' कहते हैं।

बांगर

- नदीय क्षेत्र में ऐसा उच्च स्थान जिसमें प्रतिवर्ष बाढ़ का पानी नहीं पहुँच पाता वह क्षेत्र बांगर कहलाता है।
- ये क्षेत्र अपेक्षाकृत उच्च होते हैं इन प्रदेशों में कंकड युक्त चूनें वाली मृदा पाई जाती हैं।
- इन्हें पंजाब में 'धाया' कहते हैं।

रेह या कल्लर -

- बांगर प्रदेशों में अत्यधिक सिंचाई के कारण भूमि पर एक नमक की परत आ जाती हैं जिसे रेह तथा 'कल्लर' कहते हैं ।

भूड़ -

- बांगर प्रदेशों में जब ऊपर की चिकनी मिट्टी नष्ट हो जाए तथा कंकड़ युक्त मृदा शेष बचे तो ऐसी मृदा को भूड़ कहते हैं।

गोखरू झील

- नदी में जल की आवक अधिक होने या कभी कभी बाढ़ के कारण नदी अपने मोड़दार मार्ग को छोड़कर सीधी गमन करने लगती है तब नदी के निकटवर्ती क्षेत्र में गाय के खुर के समान झील का निर्माण हो जाता है उसे गोखरू झील कहते है।

डेल्टा -

- जब नदी अपने मुहाने के निकट पहुँचती है तो ढाल कम होने के कारण नदियों का प्रवाह मंद हो जाता हैं जिससे नदी कई वितरिकाओं में विभाजित हो जाती हैं (गणितीय आकृति त्रिभुज के समान) जिसे डेल्टा कहते हैं।
- डेल्टा शब्द की सर्वप्रथम व्याख्या हेरोडोटस ने नील नदी के संदर्भ में की थी।

उत्तरी मैदानों को प्रादेशिक विभाजन

पंजाब - हरियाणा का मैदान

- इसे सतलुज का मैदान भी कहा जाता हैं
- यह मैदान 650km लम्बा तथा 300 km चौड़ा हैं।
- इस मैदान में रावी, व्यास, सतलुज नदियाँ बहती हैं।
- ढाल- उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम
- इस क्षेत्र में नदियों द्वारा निर्मित दोआब

बारी दोआब	रावी और व्यास नदी के मध्य
बिस्त दोआब	व्यास और सतलुज नदी के मध्य
चाझ दोआब	झेलम और चिनाब नदी के मध्य
रिचना दोआब	रावी और चिनाब नदी के मध्य

ऊपरी गंगा मैदान -

- यह मैदान उत्तर में शिवालिक, दक्षिण में प्रायद्वीप पठार, पश्चिम में यमुना नदी व पूर्व में इलाहाबाद (प्रयागराज) के बीच का मैदान इसमें शामिल हैं।
- इस क्षेत्र की प्रमुख नदियों में गंगा, यमुना, गोमती, घाघरा, इत्यादि शामिल हैं।

मध्य गंगा मैदान -

- इस मैदान का विस्तार पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा बिहार में हैं
- इस भाग की प्रमुख नदियों में गंगा व इसकी सहायक नदियाँ - घाघरा, गण्डक, कोशी, सप्तकोशी इत्यादि शामिल हैं।

निचली गंगा का मैदान -

- इस मैदान का विस्तार उत्तरी पहाड़ी सिरों को छोड़कर सम्पूर्ण प. बंगाल में व्याप्त हैं।
- इस मैदान की नदियों में तिस्ता, गंगा, मधुराक्षी, हुगली, दामोदर, सुवर्ण रेखा ।
- इसका दक्षिणी भाग ज्वार से जल प्लावित रहता हैं ।

ब्रह्मपुत्र का मैदान -

- हिमालय पर्वत से मेघालय के पठार के बीच स्थित संकीर्ण पट्टी को ब्रह्मपुत्र का मैदान कहते हैं।
- यह चावल व पटसन की कृषि के लिए प्रसिद्ध है
- ढाल- उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम

राजस्थान का मैदान -

- यह अर्द्धशुष्क एवं शुष्क रेतीली मृदा का मैदान हैं।
- यह मैदान थार के मरुस्थल के नाम से जाना जाता है जिसकी लम्बाई लगभग 644 km तथा चौड़ाई 350 km है। इसका विस्तार राजस्थान में कुल क्षेत्रफल का लगभग 61.11 प्रतिशत भाग पर है ।

प्रश्न :- भारत के थार मरुस्थल का कितना प्रतिशत क्षेत्र राजस्थान में हैं ? (RAS PRE. 2016)

(1) 40% **(2) 60%**

(3) 80 % **(4) 90 %**

उत्तर :- 60 %

मैदानों का महत्त्व -

- यह मैदान नदियों के द्वारा लाई गई जलोढ़ तथा काँप मृदा के द्वारा निर्मित होते हैं।
- यह मैदान उत्पादन व उत्पादकता की दृष्टि से उपजाऊ होते हैं।

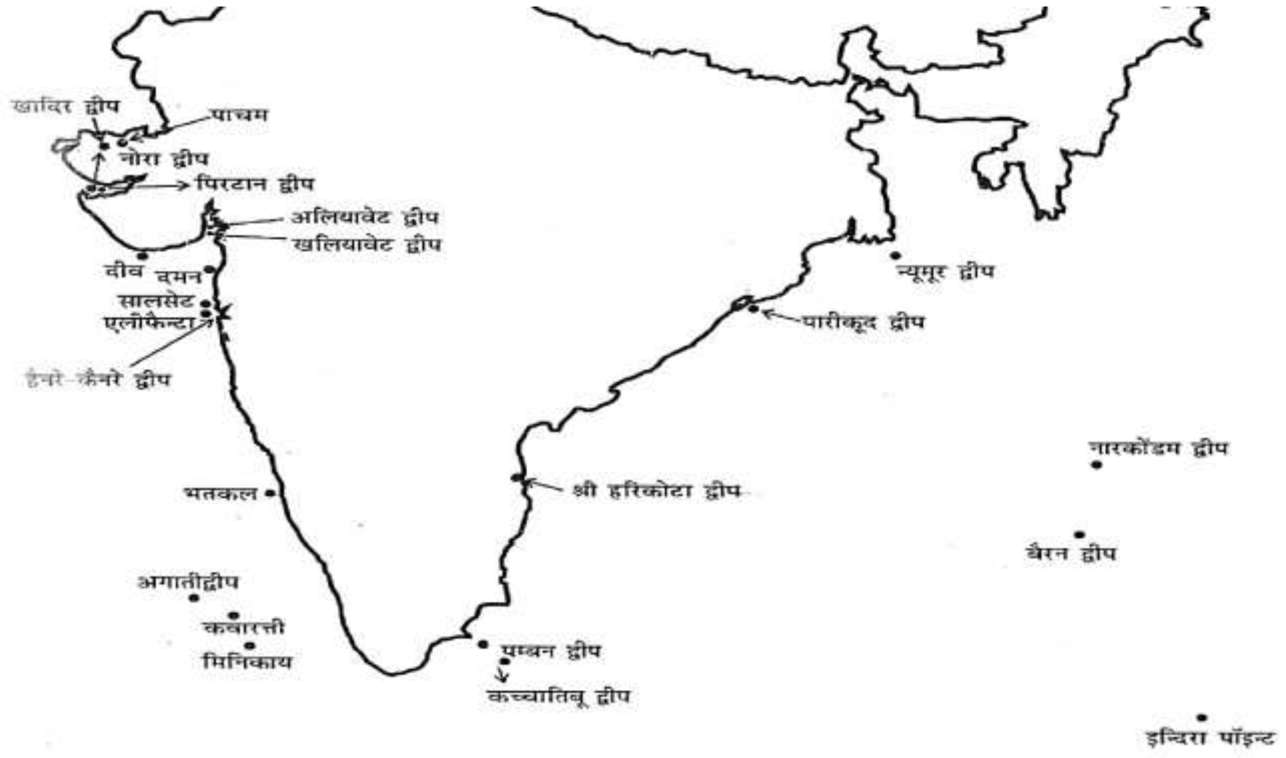

द्वीपीय क्षेत्र

बंगाल की खाड़ी के द्वीप

1. अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह
2. न्यू मुर द्वीप
3. सागर द्वीप
4. व्हीलर द्वीप (कलाम द्वीप)
5. श्री हरिकोटा द्वीप
6. पंबन द्वीप
7. कच्छातिवु द्वीप

अरब सागर के द्वीप

1. पिरोटन द्वीप
2. दीव
3. बसीन
4. अलियाबेट
5. खादियाबेट
6. मुंबई हाई
7. हेनरे
8. केनरे
9. बुचर
10. भटकल
11. लक्षद्वीप

श्रीहरिकोटा

- यह आंध्रप्रदेश के तट पर स्थित है ।
- इसी द्वीप में भारत का एकमात्र उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र 'सतीश धवन अंतिरक्ष' केंद्र स्थित हैं ।

पंबन द्वीप

- यह मन्नार की कड़ी में अवस्थित है
- यह 'आदम ब्रिज अथवा रामसेतु 'का ही भाग है जो भारत व श्रीलंका के बीच स्थित है
- यहीं रामेश्वरम् स्थित है ।

न्यू मूर द्वीप

- यह बंगाल की खाड़ी में भारत व बांग्लादेश की सीमा पर अवस्थित है जिसके कारण दोनों देशों में अधिकार को लेकर विवाद चलने के कारण बाँट लिया गया ।
- भारत के हिस्से में आए भाग का अधिकांश भाग जलमग्न रहता है ।

अब्दुल कलाम द्वीप

- यह ओड़िशा के तट पर स्थित हैं ।
- इसका प्रयोग भारत अपने प्रक्षेपास्त्र कार्यक्रम के परिक्षण के लिए करता हैं ।

- **अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह**
- यह द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में स्थित है।
- अंडमान समूह में मध्य अण्डमान (Middle Andaman) सबसे बड़ा है।
- ये द्वीप समूह देश के उत्तर-पूर्व में स्थित पर्वत श्रृंखला का विस्तार है।
- उत्तर अण्डमान में स्थित सैंडल पीक (SadalesPeak) सबसे ऊँची (लगभग 737 मीटर) चोटी है।
- निकोबार समूह में ग्रेट निकोबार सबसे बड़ा है।
- ग्रेट निकोबार सबसे दक्षिण में स्थित है और इण्डोनेशिया के सुमात्रा द्वीप से केवल 147 किमी. दूर है
- बैरन (सक्रीय ज्वालामुखी) एवं नारकोंडम (मृत ज्वालामुखी) ज्वालामुखीय द्वीप हैं जो अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित है।
- दिसंबर, 2018 में भारत सरकार ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह के कुछ द्वीपों के नए नाम दिए जो इस प्रकार है-

पुराना नाम	**नया नाम**
रोश द्वीप	बोस द्वीप
नील द्वीप	शहीद द्वीप
हेवलोक द्वीप	स्वराज द्वीप

- अंडमान निकोबार द्वीप समूह की प्रमुख जनजातियां महा अंडमानी. ओंगे, जारवा, सेंडेलिज, निकोबारी, शैम्पेन इत्यादि।
- डंकन पैसेज दक्षिण अण्डमान एवं लिटिल अण्डमान के बीच है।
- 10^0 चैनल लिटिल अण्डमान एवं कार निकोबार के बीच है। यह अण्डमान को निकोबार से अलग करता है।

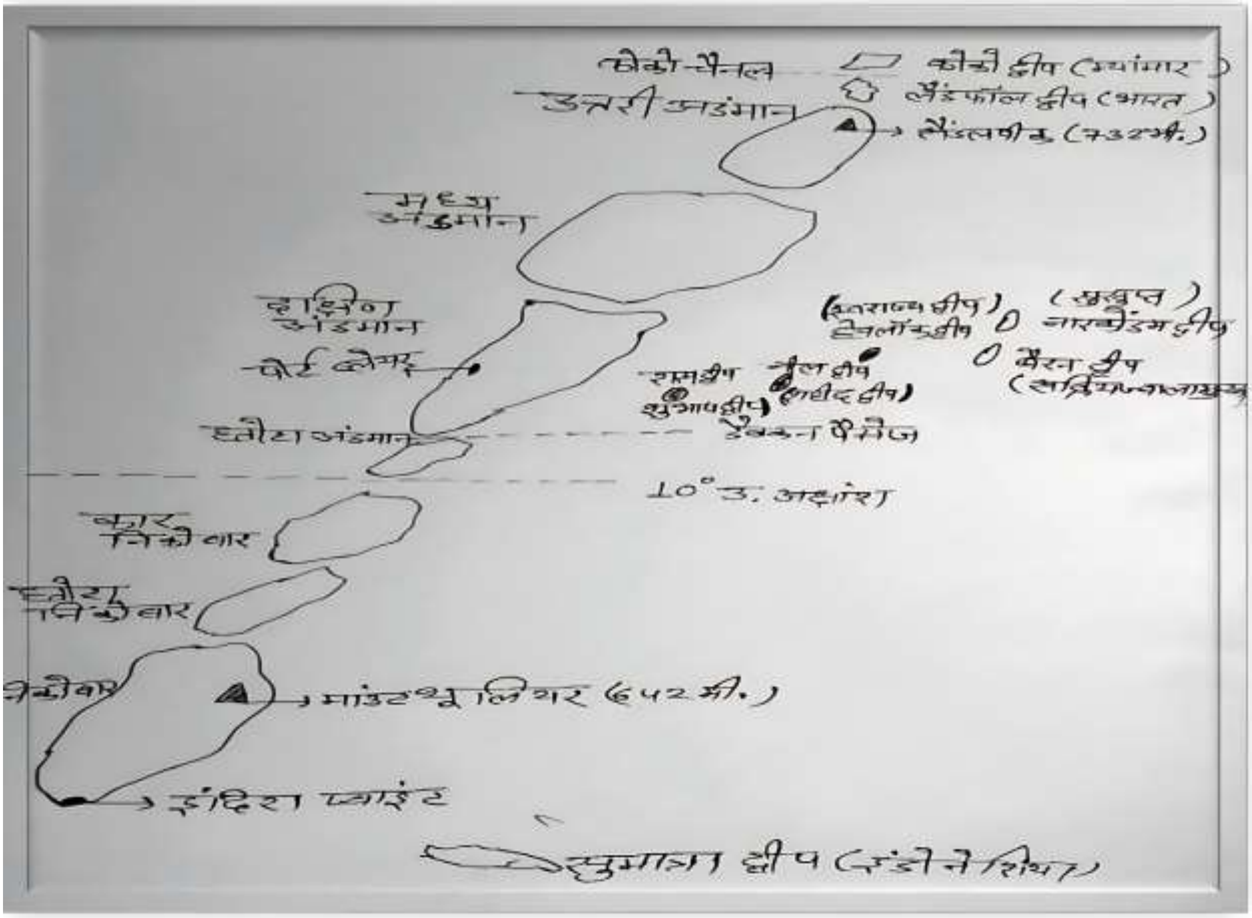

2. भारत में चाय का सर्वाधिक उत्पादन किस राज्य में होता है?

(A) असम (B) प.बंगाल
(C) कर्नाटक (D) तमिलनाडु **[A]**

3. प्रथम पूर्ण जैविक कृषि वाला राज्य है ।

(A) सिक्किम (B)बिहार
(C)असम (D)राजस्थान **[A]**

4. भारत में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है ?

(A) तमिलनाडु (B)कर्नाटक
(C)गुजरात (D)महाराष्ट्र **[A]**

5. गेहूँ उत्पादन में प्रथम स्थान किस राज्य का है?

(A) पंजाब (B)हरियाणा
(C)गुजरात (D)उत्तर प्रदेश **[D]**

6. गन्ना उत्पादन में कौनसा राज्य प्रथम है?

(A) उत्तर प्रदेश (B) पंजाब
(C) तमिलनाड (D)बिहार **[A]**

7. भारत में कौन सी एजेंसी खाद्यान्न उत्पादन की खरीद, वितरण और भंडारण के लिए जिम्मेदार है?

(A) कृषि मंत्रालय (B) भारतीय खाद्य निगम
(C) नेफेड (D) ट्राईफेड **[B]**

8. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(A) रबी फसल - सरसों , मटर , जूट , मसूद
(B) खरीफ फसल- मक्का, चावल, उड़द, गन्ना
(C) जायद फसल - सब्जियाँ , ककड़ी , तरबूज , खरबूजा
(D) बागानी फसलें : चाय , कहवा , तम्बाकू **[A]**

अध्याय – 9

प्रमुख खनिज

- खनिज से तात्पर्य प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले ऐसे पदार्थों से है जिसका निश्चित रासायनिक, भौतिक गुणधर्म एवं रासायनिक संगठन हो तथा उनको खनन उत्खनन के द्वारा प्राप्त किया जाता है साथ ही इन सभी का आर्थिक महत्त्व हो, खनिज संसाधन कहलाते हैं।
- पृथ्वी की भी पर्पटी पर पाए जाने वाले प्रमुख खनिज निम्न है-

खनिज	प्रतिशत
ऑक्सीजन	46.60
सिलिकन	27.72
एलुमिनियम	8.13
लौह	5.00
कैलशियम	3.63
सोडियम	2.83
पोटैशियम	2.59
मैगनेशियम	2.09
अन्य	1.41

- भारत में आजादी के समय तक 22 प्रकार के खनिजों का खनन किया जाता था लेकिन आज इनकी संख्या बढ़कर 125 हो गई है, इनमें से 35 खनिज आर्थिक दृष्टि से बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। अभी तक मानव को लगभग 1600 प्रकार के खनिजों का ज्ञान हो चुका है।
- खनिजों की आत्मनिर्भरता की दृष्टि से संयुक्त राज्य अमेरिका प्रथम, भारत द्वितीय स्थान पर तथा रूस तृतीय स्थान पर है।

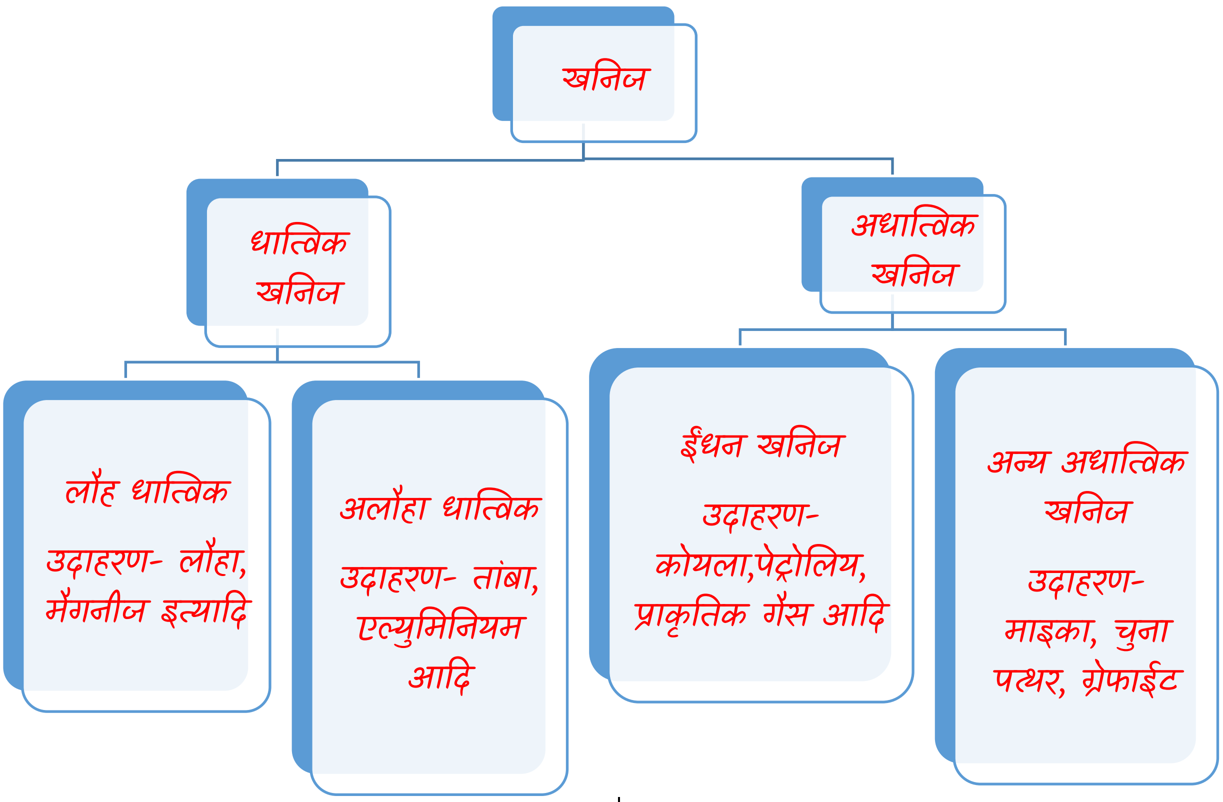

भारत में खनिजों का वितरण -

खनिज संसाधनों की मेखलायें (Belts of Mineral Resources)

भारत में खनिजों का वितरण समान नहीं हैं । भारत में पाये जाने वाले विविध प्रकार के खनिजों को उनके वितरण के अनुसार निम्न मेखलाओं में सीमाबद्ध किया जा सकता है ।

1. बिहार-झारखण्ड-उड़ीसा-पश्चिम बंगाल मेखला :

✓ यह मेखला छोटा नागपुर व समीपवर्ती क्षेत्रों में फैली हुई हैं । यह मेखला लौह अयस्क मैंगनीज, ताँबा, अभ्रक, चूना पत्थर, इल्मेनाइट, फॉस्फेट, बॉक्साइट आदि खनिजों की दृष्टि से धनी है । झारखण्ड खनिज उत्पादन की दृष्टि से प्रमुख राज्य है ।

2. मध्यप्रदेश – छत्तीसगढ़ – आंध्रप्रदेश -महाराष्ट्र मेखला :

✓ इस मेखला में भी लौह अयस्क, मैंगनीज, बॉक्साइट, चूना पत्थर, ऐस्बेस्टॉस, ग्रेफाइट, अभ्रक, सिलिका, हीरा आदि बहुलता से प्राप्त होते हैं।

3. कर्नाटक - तमिलनाडु मेखला :

✓ यह मेखला सोना, लिग्नाइट, लौह अयस्क, ताँबा, मैंगनीज, जिप्सम, नमक, चूना पत्थर के लिए प्रसिद्ध है।

4. राजस्थान - गुजरात मेखला :

✓ यह मेखला पैट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, यूरेनियम, ताँबा, जस्ता, घीया पत्थर, जिप्सम, नमक, मुल्तानी मिट्टी आदि खनिजों की दृष्टि से धनी है।

✓ राजस्थान के गोट – मंगलोढ़ क्षेत्र में जिप्सम खनिज पाया जाता है ।

✓ राजस्थान सीसा और जस्ता अयस्कों, सेलेनाइट और वोलास्टोनाइट का एकमात्र उत्पादक है।

प्रश्न : - गोट – मंगलोढ़ क्षेत्र का संबंध किस खनिज से है ?

(1) रॉक - फॉस्फेट (2) टंगस्टन
(3) मैंगनीज (4) जिप्सम **(4)**

प्रश्नः- निम्नलिखित में से कौन से खनिजों का राजस्थान लगभग अकेला उत्पादक राज्य है ? (RAS PRE – 2018)

(अ) सीसा एवं जस्ता अयस्क (ब) ताम्र अयस्क
(स) वोलेस्टोनाइट (द) सेलेनाइट

कूट :

(1) (अ) एवं (स)
(2) (अ), (ब) एवं (द)
(3) (अ), (ब) एवं (स)
(4) (अ), (स) एवं (द) **(4)**

5. केरल मेखला :

✓ केरल राज्य में विस्तृत इस मेखला में इल्मेनाइट, जिरकन, मोनाजाइट आदि अणुशक्ति के खनिज, चिकनी मिट्टी, गार्नेट आदि बहुलता से पाये जाते हैं।

- **लौह अयस्क (Iron Ore)**

▪ भारत में लौह अयस्क मुख्यतः प्रायद्वीपीय धारवाड़ संरचना में पाया जाता है।
▪ विश्व के कुल लौह अयस्क का लगभग 3 प्रतिशत भारत में निकाला जाता है।
▪ कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से भी अधिक निर्यात कर दिया जाता है।
▪ गोवा में उत्पादित होने वाले संपूर्ण लौह अयस्क को निर्यात कर दिया जाता है ।

लौह अयस्क के प्रकार (Types of Iron - Ore)

भारत में लौह अयस्क मुख्यतः 4 प्रकार का प्राप्त होता है :

1. मैग्नेटाइट 2. हेमेटाइट 3. लिमोनाइट 4. सिडेराइट

1. मैग्नेटाइट :

✓ यह सर्वोच्च किस्म का लौह अयस्क होता है, जिसमें शुद्ध धातु का अंश 72 प्रतिशत तक होता है।
✓ इसका रंग काला होता है ।
✓ यह आग्नेय शैलों में पाया जाता है ।
✓ इसमें चुम्बकीय लोहे के ऑक्साइड होते हैं । मैग्नेटाइट अयस्क के भण्डार कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, गोवा, झारखण्ड आदि राज्यों में पाये जाते हैं ।

2. हेमेटाइट :

✓ यह लाल या भूरे रंग का होता है ।
✓ इसमें शुद्ध धातु की मात्रा 60-70 प्रतिशत तक होती है ।
✓ यह मुख्यतः झारखण्ड, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, महाराष्ट्र, कर्नाटक व गोवा राज्यों में मिलता है।

3. लिमोनाइट :

✓ इसका रंग पीला या हल्का भूरा होता है ।
✓ इसमें 30 से 50 प्रतिशत तक शुद्ध धातु का अंश होता है।
✓ यह पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों में पाया जाता है ।

4. सिडेराइट :

✓ इस किस्म के लौहे का रंग हल्का भूरा होता है।
✓ इसमें धातु का अंश 40 से 48 प्रतिशत तक होता है तथा अशुद्धियाँ अधिक होती हैं ।

कर्नाटक

✓ यह राज्य भारत के लौह अयस्क उत्पादन में 24.80 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान है ।
✓ यहाँ पर कादर (बाबा बदून की पहाड़ियाँ) , बेलारी , हास्पेट , शिमोगा , धारवाड़ , तुमकुर , चिकमंगलूर चित्रदुर्ग आदि प्रमुख लौह अयस्क उत्पादक जिले हैं ।
✓ राज्य में हेमेटाइट किस्म की 55 से 65 प्रतिशत लौह अयस्क वाली धातु निकाली जाती है ।

उड़ीसा

✓ देश में लौह अयस्क उत्पादन में 22.13 प्रतिशत के साथ देश में दूसरा स्थान है ।
✓ यहाँ पर मयूर भंज (गुरुम हिसानी , सुलेमात और बादाम पहाड़) , सुन्दरगढ़ , बोनाई , सम्बलपुर व कटक महत्त्वपूर्ण लौह अयस्क उत्पादन जिले हैं ।
✓ यहाँ हेमेटाईट किस्म की 58 से 60 प्रतिशत तक अयस्क वाली धातु पाई जाती है ।

छत्तीसगढ़

✓ यह राज्य 19.97 प्रतिशत उत्पादन करके तीसरा स्थान रखता है ।
✓ यहाँ बस्तर और दुर्ग सबसे महत्त्वपूर्ण लौह अयस्क उत्पादक जिले हैं जबलपुर , राजगढ़ , बिलासपुर , सरगुजा , बालासर आदि अन्य उत्पादक जिले हैं ।
✓ यहाँ हेमेटाइट किस्म की 50 से 66 प्रतिशत तह लौह अयस्क वाली धातु निकाली जाती है ।

गोवा

✓ देश में 18.05 प्रतिशत लौह अयस्क उत्पादन कर चौथे स्थान पर है ।
✓ यहाँ मिरना अद्रोल पाले ओनडा , कुडनम , प्रिंससलेम , आदि प्रमुख उत्पादक जिले हैं । लोहे को साफ करके मारमगोवा बन्दरगाह से जापान को निर्यात कर दिया जाता है ।
✓ यहाँ घटिया किस्म का लोहा निकाला जाता है जिसमें लौह अंश की मात्रा 50 प्रतिशत तक होती है ।

झारखण्ड

✓ देश में लौह अयस्क उत्पादन में इसका 14.11 प्रतिशत के साथ पाँचवाँ स्थान है ।
✓ यहाँ सिंह भूमि (नोआमण्डी) मातभूमि , हजारी बाग आदि प्रमुख लौह अयस्क उत्पादन जिले हैं ।

महाराष्ट्र

✓ यहाँ चन्द्रपुर जिले में पीपलगाँव , लौहार , देवलगाँव तथा रत्नागिरी जिले में लौहा अयस्क पाया जाता है ।

आन्ध्र प्रदेश

✓ यहाँ आदिलाबाद , करीमनगर , निजामाबाद , कृष्णा , कुर्नूल , कुडप्पा , गुन्टूर , नैलोर , चित्तूर , बारगंल आदि प्रमुख लौह उत्पादक जिले हैं ।
✓ यहाँ मैग्नेटाइट किस्म की 65 से 72 प्रतिशत अंश वाली लौह अयस्क निकाली जाती है ।

महत्वपूर्ण प्रश्न

1. राजस्थान का प्रवेश द्वार किसे कहा जाता है - भरतपुर
2. महुआ के पेड़ पाये जाते है – उदयपुर व चित्तौड़गढ़
3. राजस्थान में छप्पनिया अकाल किस वर्ष पड़ा - 1956 वि.सं.
4. राजस्थान में मानसून वर्षा किस दिशा में बढ़ती है – दक्षिण - पश्चिम से उत्तर - पूर्व में

नोट :- लेकिन राजस्थान में उत्तर – पश्चिम से दक्षिण - पूर्व की ओर वर्षा की मात्र में वृद्धि होती है ।

5. राजस्थान में गुरु शिखर चोटी की ऊँचाई कितनी है - 1722 मीटर
6. राजस्थान में किस शहर को सन सिटी के नाम से जाना जाता है – जोधपुर को
7. राजस्थान की आकृति है – विषम कोण चतुर्भुज
8. राजस्थान के किस जिले का क्षेत्रफल सबसे ज्यादा है - जैसलमेर
9. राज्य की कुल स्थलीय सीमा की लम्बाई है - 5920 किमी
10. राजस्थान का सबसे पूर्वी जिला है - धौलपुर
11. राजस्थान का सागवान कौन सा वृक्ष कहलाता है – रोहिड़ा
12. राजस्थान के किस क्षेत्र में सागौन के वन पाए जाते है - दक्षिणी
13. जून माह में सूर्य किस जिले में लम्बत् चमकता है - बाँसवाड़ा
14. राजस्थान में पूर्ण मरुस्थल वाले जिलें हैं- जैसलमेर, बाड़मेर
15. राजस्थान के कौन से भाग में सर्वाधिक वर्षा होती है – दक्षिणी - पूर्वी
16. राजस्थान में सर्वाधिक तहसीलों की संख्या किस जिले में है - जयपुर
17. राजस्थान में सर्वप्रथम सूर्योदय किस जिले में होता है - धौलपुर
18. उड़िया पठार किस जिले में स्थित है - सिरोही
19. राजस्थान में किन वनों का अभाव है – शंकुधारी वन
20. राजस्थान के क्षेत्रफल का कितना भू-भाग रेगिस्तानी है – लगभग दो-तिहाई
21. राजस्थान के पश्चिम भाग में पाए जाने वाला सर्वाधिक विषैला सर्प – पीवणा सर्प
22. राजस्थान के पूर्णतया: वनस्पति रहित क्षेत्र - समगाँव (जैसलमेर)
23. राजस्थान के किस जिले में सूर्य किरणों का तिरछापन सर्वाधिक होता है -श्रीगंगानगर
24. राजस्थान का क्षेत्रफल इजरायल से कितना गुना है - 17 गुना बड़ा है
25. राजस्थान की 1070 किमी० लम्बी पाकिस्तान से लगी सीमा रेखा का नाम – रेडक्लिफ रेखा
26. कर्क रेखा राजस्थान के किस जिले से छूती हुई गुजरती है – डूंगरपुर व बाँसवाड़ा को
27. राजस्थान में जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला - जयपुर
28. थार के रेगिस्तान के कुल क्षेत्रफल का कितना प्रतिशत राजस्थान में है - 58 प्रतिशत
29. राजस्थान के रेगिस्तान में रेत के विशाल लहरदार टीले को क्या कहते हैं - धोरे
30. राजस्थान का एकमात्र जीवाश्म पार्क स्थित है – आँकल गाँव (जैसलमेर)

राजस्थान की अन्य राज्यों से सीमा

राजस्थान के साथ जिन राज्यों की सीमा लगती है उन राज्यों के नाम :-

शोर्ट ट्रिक :- "पं. हरि उत्तर में गुम गयो"

सूत्र		**राज्य**
पं	-	पंजाब
हरि	-	हरियाणा
उत्तर	-	उत्तर प्रदेश
में	-	मध्य प्रदेश
गु	-	गुजरात

पंजाब (89 किमी०)

- राजस्थान के दो जिलों की सीमा पंजाब से लगती है तथा पंजाब के दो जिले फाजिल्का व मुक्तसर की सीमा राजस्थान से लगती है ।
- पंजाब के साथ सर्वाधिक सीमा श्रीगंगानगर व न्यूनतम सीमा हनुमानगढ़ की लगती है।
- पंजाब सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर तथा दूर जिला मुख्यालय हनुमानगढ़ है।
- पंजाब सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला श्रीगंगानगर व छोटा जिला हनुमानगढ़ है।

शॉर्ट ट्रिक

पंजाब की सीमा से सटे राजस्थान राज्य के जिले हैं।

''श्री हनुमान''

सूत्र		जिला
श्री	-	श्रीगंगानगर
हनुमान	-	हनुमानगढ़

हरियाणा (1262 किमी०)

- राजस्थान के 7 जिलों की सीमा हरियाणा के 7 जिलों सिरसा, फतेहबाद, हिसार, भिवाणी, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, मेवात से लगती है।
- हरियाणा के साथ सर्वाधिक सीमा हनुमानगढ़ व न्यूनतम सीमा जयपुर की लगती है । तथा सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय हनुमानगढ़ व दूर मुख्यालय जयपुर का हैं।
- हरियाणा सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला चुरू व कोटा जिला झुंझुनू है ।
- मेवात (नुह) नव निर्मित जिला है जो राजस्थान के अलवर जिले को छूता है।

शॉर्ट ट्रिक

हरियाणा की सीमा से लगने वाले राजस्थान के जिले हैं।

"जय भरत असी झुंझुन्ने चुरा हनु से"

सूत्र		जिला
जय	-	जयपुर
भरत	-	भरतपुर
अ	-	अलवर
सी	-	सीकर
झुंझुन्ने	-	झुंझुनू
चुरा	-	चुरू
हनु	-	हनुमान

राजस्थान की सीमा से लगने वाले हरियाणा के जिले हैं ।

"हिम फसि भि गुड़ रेवड़ी"

सूत्र		जिला
हि	-	हिसार
म	-	महेन्द्रगढ़
फ	-	फतेहाबाद
सि	-	सिरसा
भि	-	भिवानी
गुड़	-	गुड़ गाँव
रेवड़ी	-	रेवाड़ी

उत्तरप्रदेश (877 किमी०)

- राजस्थान के दो जिलों की सीमा उत्तरप्रदेश के दो जिलों (मथुरा व आगरा) से लगती है।
- उत्तरप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा भरतपुर व न्यूनतम सीमा धौलपुर की लगती है।
- उत्तरप्रदेश की सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय भरतपुर व दूर जिला मुख्यालय धौलपुर है।
- उत्तरप्रदेश की सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला भरतपुर व छोटा जिला धौलपुर है।

मध्यप्रदेश (1600 किमी०)

- राजस्थान के 10 जिलों की सीमा मध्यप्रदेश के 10 जिलों की सीमा से लगती है।(झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, निमच, अगरमालवा, राजगढ, गुना, शिवपुरी, श्योंपुर, मुरैना) मध्यप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा झालावाड़ व न्यूनतम भीलवाड़ा की लगती है तथा सीमा के नजदीक मुख्यालय धौलपुर व दूर जिला मुख्यालय भीलवाड़ा है।
- मध्यप्रदेश की सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला भीलवाड़ा व छोटा जिला धौलपुर है।

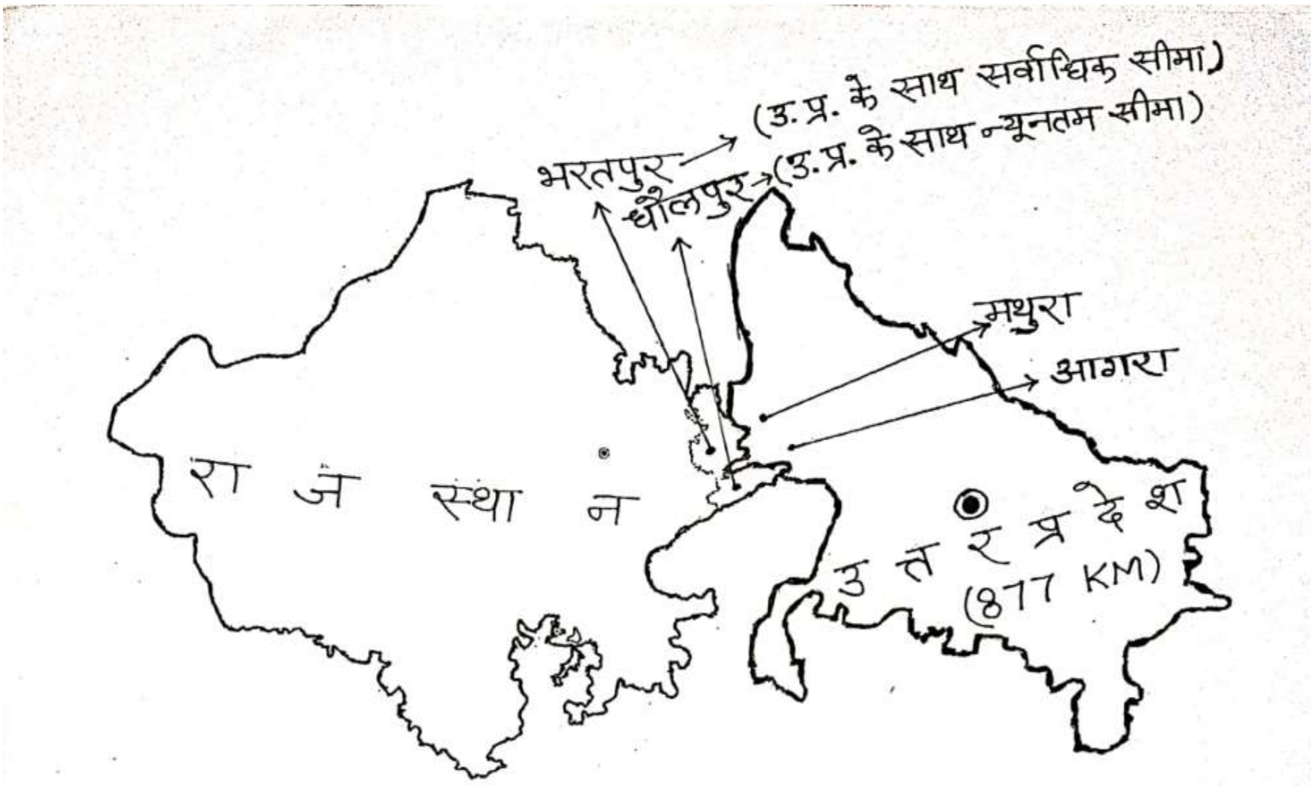

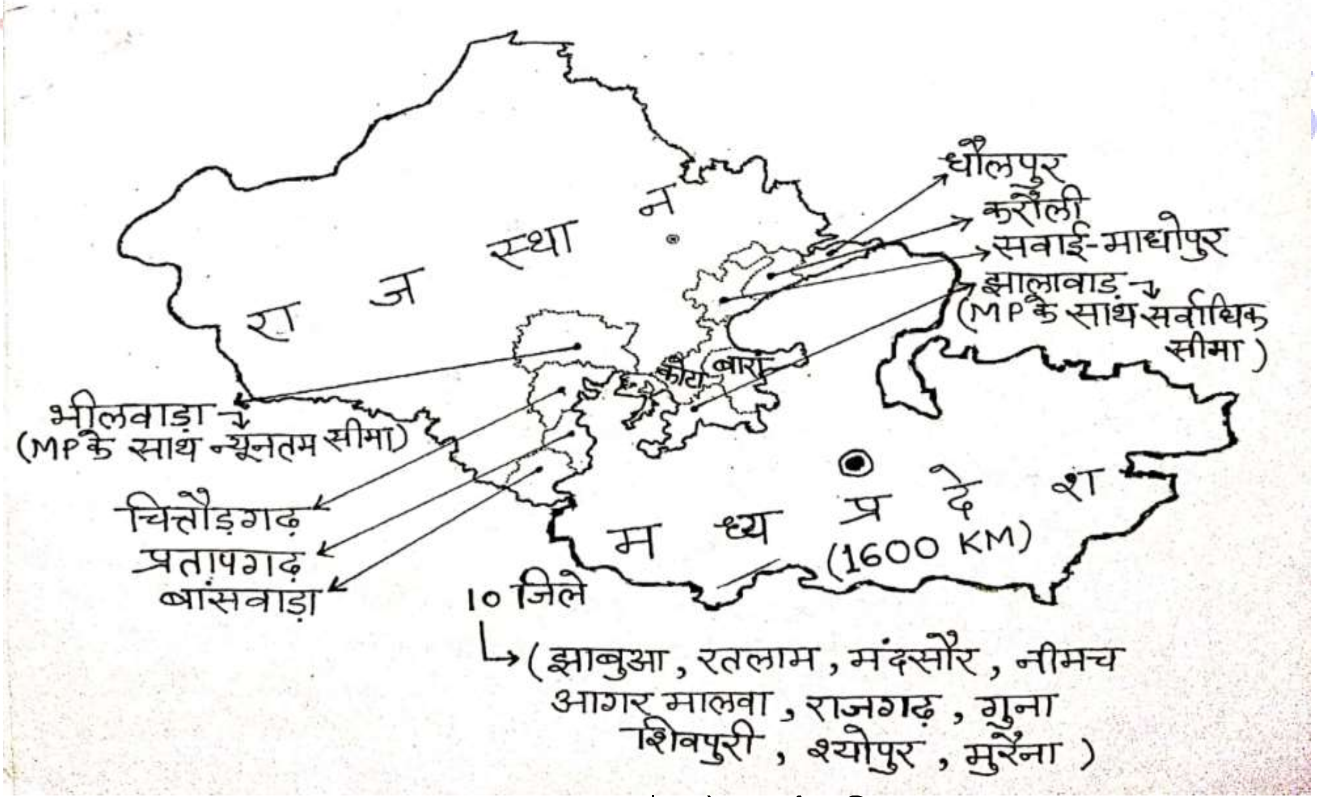

<u>गुजरात (1022 किमी॰)</u>

- राजस्थान के 6 जिलों की सीमा गुजरात के 6 जिलों से लगती है। (कच्छ, बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, माहीसागर, दाहोद)गुजरात के साथ सर्वाधिक सीमा उदयपुर व न्यूनतम सीमा बाड़मेर की लगती है तथा सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय डूंगरपुर व दूर मुख्यालय बाड़मेर है।
- गुजरात सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला बाड़मेर व छोटा जिला डूंगरपुर है।
- राजस्थान के पांच पड़ोसी राज्य है । पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात

राजस्थान
विभिन्न क्षेत्रों के प्राचीन नाम

प्राचीन भौगोलिक क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति

जांगल देश – **बीकानेर** और **जोधपुर** जिले का **उत्तरी** भाग

यौद्धेय – **हनुमानगढ़** और **श्रीगंगानगर** के आसपास का क्षेत्र

गिरवा - उदयपुर में चारों ओर पहाड़ियाँ होने के कारण **उदयपुर की आकृति एक तश्तरीनुमा बेसिन** जैसी है जिसे स्थानीय भाषा में गिरवा कहते हैं।

गोडवाड़- दक्षिण पूर्वी बाड़मेर, पश्चिमी सिरोही, जालौर

अहिछत्रपुर - नागौर

राठ – अलवर जिले का हरियाणा राज्य से लगता क्षेत्र

शेखावाटी - चूरू, सीकर, झुंझुनू जिले

ढूंढाड़ – जयपुर में आसपास का क्षेत्र, दौसा

कुरुदेश – अलवर जिले का उत्तरी भाग

आर्बुद व चंद्रावती - सिरोही व आबू के आसपास का क्षेत्र

माँड या वल्लभ देश - जैसलमेर

वागड़ या वाग्वर - डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़

6. राजस्थान के किस जिले से अधिकतम जिलों की सीमाएँ स्पर्श करती हैं, वह है?

A. अजमेर B. पाली

C. भीलवाड़ा D. नागौर

उत्तर – B

7. निम्न में से राजस्थान का कौन सा शहर पाकिस्तान सीमा के निकट है?

A. बीकानेर B. जैसलमेर

C. गंगानगर D. हनुमानगढ़

उत्तर – C

8. राजस्थान में कौन सा क्षेत्र मालव क्षेत्र के नाम से जाना जाता है?

A. बांसवाड़ा - प्रतापगढ़ B. डूंगरपुर – प्रतापगढ़

C. झालावाड़ - प्रतापगढ़ D. बूंदी - झालावाड़

उत्तर – C

9. राजस्थान का प्रवेश द्वार किसे कहा जाता है?

A. झालावाड़ B. धौलपुर

C. हनुमानगढ़ D. भरतपुर

उत्तर – D

10. मध्य प्रदेश का वह जिला जो तीन ओर से राजस्थान से घिरा हुआ है?

A. नीमच B. रतलाम

C. मंदसौर D.श्योपुर

उत्तर – A

अध्याय – 2

प्रमुख भू – आकृतिक प्रदेश एवं उनकी विशेषताएं

नोटः- प्रिय पाठकों जैसा कि आपको ज्ञात है कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है। इस विशाल राज्य में रेगिस्तान, नदियाँ, पर्वत एवं पहाडियाँ, पठार अलग - अलग क्षेत्रों में पाये जाते है । इनकी वजह से राजस्थान को चार भौतिक प्रदेशों में बाँटा गया है-

1. पश्चिमी मरूस्थलीय प्रदेश – वह क्षेत्र जहाँ पर रेगिस्तान पाया जाता हैं
2. अरावली पर्वतमाला - वह क्षेत्र जहाँ पर अरावली पर्वतमाला का विस्तार हैं।
3. पूर्वी मैदानी प्रदेश- वह क्षेत्र जहाँ पर अधिकांश **दोमट व जलोढ़ मिट्टी** पाई जाती हैं
4. दक्षिणी - पूर्वी पठारी प्रदेश - वह क्षेत्र जहाँ पर अधिकांश मात्रा में **काली मिट्टी** पाई जाती है, इस क्षेत्र को **हाड़ौती का पठार** भी कहते है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

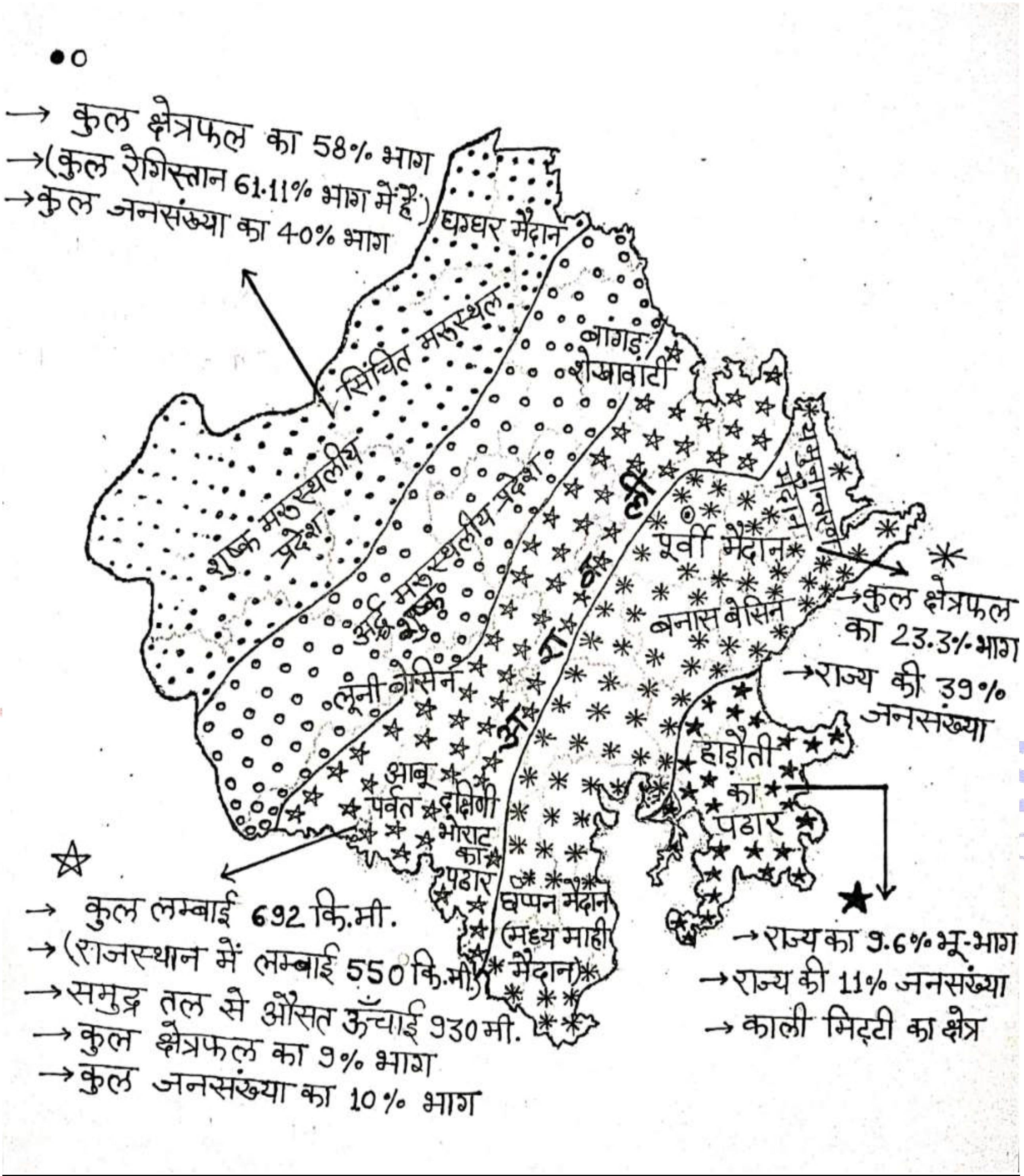

प्रिय छात्रों, इन चारों प्रदेशों का विस्तृत वर्णन इस प्रकार है-

- ***<u>पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश</u>:-***
  जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है कि राजस्थान का पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र टेथिस सागर का अवशेष है, और अरावली क्षेत्र गोंडवाना लैंड का हिस्सा है।

पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश का सामान्य परिचय :-

वर्तमान में रेगिस्तान का विस्तार राज्य के कुल 61.11 प्रतिशत हिस्से पर है।

नोटः- *पहले ये क्षेत्र केवल 58 प्रतिशत भाग पर ही सीमित था, लेकिन वर्तमान में अरावली पर्वतमाला के कटी – फटी होने के कारण मरूस्थल का विस्तार पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ रहा है।*

*अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में कुल 12 जिले स्थित है, उनमें से **12 जिलों में रेगिस्तान का विस्तार** है । यह जिले निम्न प्रकार है-*

- हिन्दुस्तान कॉपर लि . खेतडी (झुंझुनूं) में यह केन्द्र सरकार का उपक्रम है ।
- राजस्थान टेलीफोन लि. भिवाडी (अलवर) में है।
- हाईटेंशन इंसूलेटर्स ' आबू रोड़ (सिरोही) में है ।
- अरावली स्वचालित वाहन लि. अलवर जिलें में है।
- लैलेण्ड ट्रक कारखाना अलवर जिलें में स्थित है।
- 'लोको एवं कैरिज कारखाना' अजमेर में है । इसमें वेगन मरम्मत व मालगाड़ी के वेगनों का निर्माण होता है ।
- देश का प्रथम लोको इंजन इसी कारखाने में बनाया गया था ।
- 'वेगन इण्डस्ट्रीज' कोटा मे है । इसमें ब्रॉडगेज के वेगन बनाये जाते है ।

रेशम उद्योग

- भारत में रेशम कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु तथा जम्मू-कश्मीर में होता है।
- टसर खेती को राजस्थान में टसर खेती कोटा तथा उदयपुर में होती है।
- राजस्थान में रेशम उत्पादन के लिए टसर कृषि की जाती
- **रेशम की खेती के प्रकार-**

1. मुरबेरी
2. एरी
3. टसर
4. मूंगा

अध्याय – 10

प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ एवं जल सरंक्षण तकनीकें

प्रिय छात्रों इस अध्याय के अंतर्गत हम राजस्थान की नदी घाटी परियोजनाओं का विस्तार से अध्ययन करेंगे ।जैसा कि आपको पता है जल ही जीवन है जैसे कि सिंधु घाटी सभ्यता जल की वजह से ही सिंधु और उसकी सहायक नदियों के आसपास पनप रही थी । जल जहाँ भी होगा वहाँ एक अच्छी वनस्पति, जीव, जंतु पनपते हुए देखते हैं।

नदियाँ जल का प्राकृतिक स्रोत होती हैं और इन्हीं नदियों के माध्यम से सिंचाई, पेयजल, विद्युत उत्पादन जैसी सुविधाएँ प्राप्त की जाती है । इसीलिए नदियों पर परियोजनाएँ बनाई जाती है।

राजस्थान में सिंचाई की अधिक आवश्यकता होती है क्योंकि यहाँ की भूमि शुष्क हैं और वर्षा कम होती है । प्रिय छात्रों हम शुरुआत करते हैं सिंचाई से ।

सिंचाई-

- फसलोंत्पादन में जल के अभाव में पौधे को जीवन असम्भव होता है ।
- पौधों को जीवनकाल में अधिक मात्रा में जल की आवश्यकता होती है ।
- प्राकृतिक रुप से जल की आवश्यकता पूर्ति नहीं हो पाती है ।तब पौधे की वृद्धि एवं विकास के लिए कृत्रिम रुप से पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है, जिसे सिंचाई कहते हैं।
- राजस्थान एक कृषि प्रधान राज्य है यहाँ की लगभग 70% जनसंख्या कृषि पर आधारित है ।
- राजस्थान की भौगोलिक स्थिति के आधार पर वर्षा की कमी के कारण बलूई मिट्टी में सिंचाई की अत्यधिक आवश्यकता होती है ।
- राजस्थान में भारत के औसत वर्षा का लगभग आधे से भी कम औसत वर्षा होती है।

सिंचाई की विशेषताएँ -

- सिंचाई से कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।
- सिंचाई के द्वारा । वर्ष में । से अधिक फसलों का उत्पादन किया जा सकता है।
- जिन स्थानों पर कृषि के कृत्रिम तरीके उपलब्ध नहीं होते उन स्थानों पर कृषि सीमित होती है लेकिन जिन स्थानों पर उपलब्ध होते हैं वहाँ पर कृषि अर्थव्यवस्था की विशेषता बन जाती है।

- सिंचाई कृषि को स्थायित्व प्रदान करती है लेकिन जिन स्थानों पर किसान वर्षा पर आधारित होते हैं उन स्थानों पर **कृषि मानसून का जुआ** बन जाता है।
- राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है जिसका कुल क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किलोमीटर है ।

राजस्थान में सिंचाई के साधन -

1. कुएँ व नलकूप -

- **राजस्थान में कुएँ व नलकूप से लगभग 69.73% सिंचाई होती है।**
- **राजस्थान में सबसे अधिक इन साधनों से सिंचाई "जयपुर" जिले में होती है ।** इसके अलावा अलवर, भरतपुर, करौली, दौसा, सवाई माधोपुर में होती है।

2. नहरें -

- **राजस्थान में नेहरों से लगभग 29.60% सिंचाई होती है ।**
- **सबसे अधिक नहरों से सिंचाई श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में होती है,** इसके अलावा चुरु, झुंझुनूं, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, जोधपुर आदि जिलों में भी नेहरों के द्वारा ही सिंचाई होती है।

3. तालाब -

- **राजस्थान में तालाब से 0.69% सिंचाई होती है ।**
- **सबसे अधिक तालाबों से सिंचाई वाला जिला "भीलवाड़ा" है,** इसके अलावा दक्षिणी राजस्थान में भी तालाबों से सिंचाई होती है ।

दोस्तों अब आप जानते हैं नदी घाटी परियोजनाओं के बारे में।

नदी घाटी परियोजनाएँ को चार भागो में विभाजित किया गया है।

1. बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना -

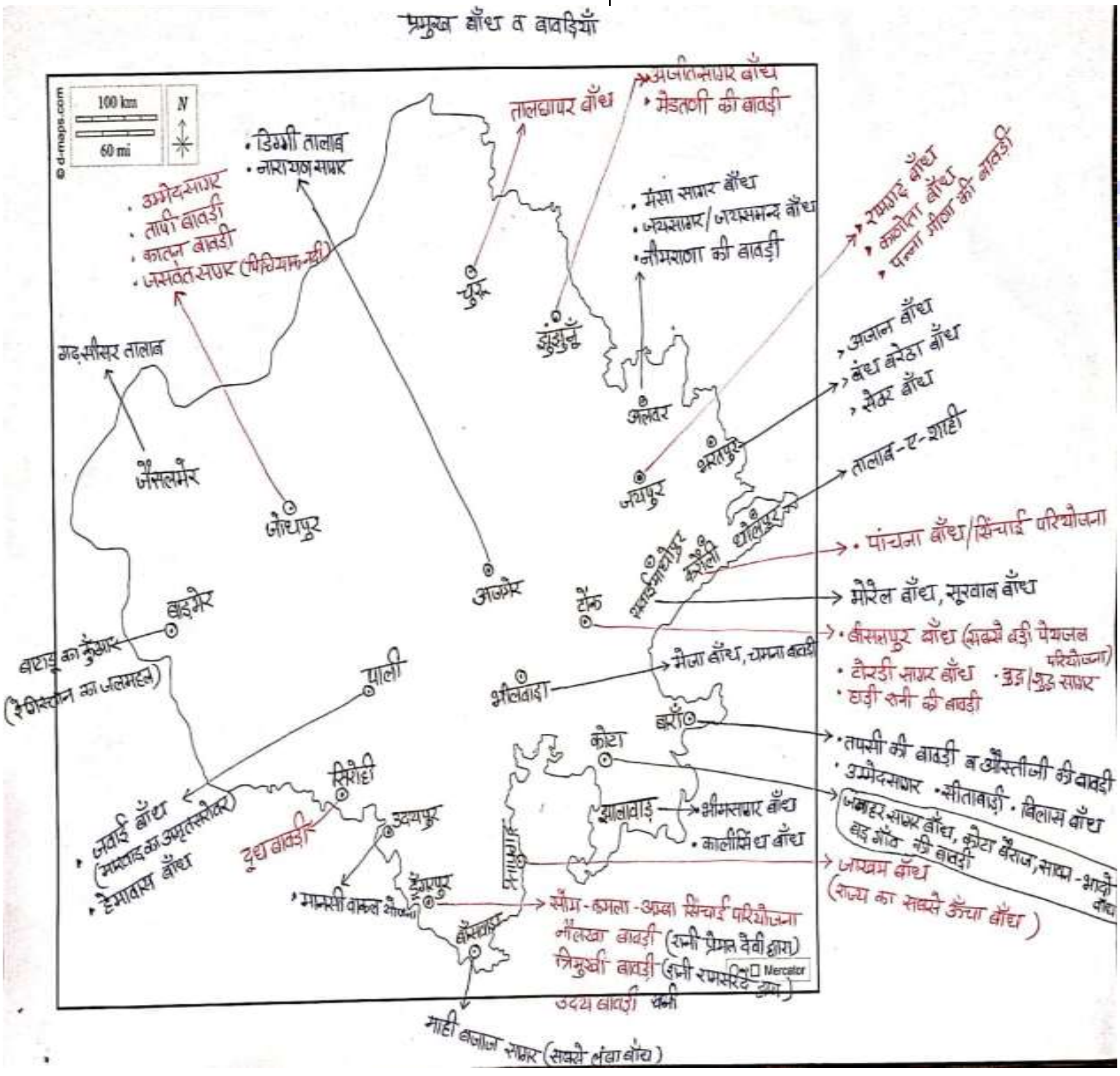

मसीतावाली हैड (हनुमानगढ़) से मोहनगढ़ (जैसलमेर) तक था जिसे 165 किमी. और बढ़ाकर अंतिम स्थान गडरारोड़ (बाड़मेर) कर दिया जिसे जीरो पॉइन्ट कहा जाता है।

(यह राजस्थान में 480 किमी. व बाहर 169 किमी. फैली हुई है, इस प्रकार इस की कुल लम्बाई 649 किमी. है।)

- **इंदिरा गाँधी नहर परियोजना से राज्य के 9 जिलों (श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चुरु, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर एवं झुंझुनूं) को पेयजल मिलेगा ।**
- जिसके लिए इस से तीन लिफ्ट नहरें निकाली गई हैं- राजीव गाँधी लिफ्ट नहर परियोजना -जिसे जोधपुर की जीवन रेखा कहते हैं जिससे जोधपुर व बाड़मेर के गाँवों को पेयजल दिया जाता है।
- कँवर सेन लिफ्ट नहर-जिसे बीकानेर की जीवन रेखा कहते हैं। गंधेली सहवा परियोजना जर्मनी के के.पी. डब्ल्यू के सहयोग से शुरु।
- **चौधरी कुम्भा राम आर्य लिफ्ट नहर**
  (प्राचीन नाम नोहर सोहवा लिफ्ट नहर) यह सहायक नहरों सहित सबसे लम्बी लिफ्ट नहर (666.5किमी.) है अन्यथा कँवर सेन लिफ्ट नहर सबसे लम्बी (151 किमी.) है। इससे हनुमानगढ़, झुंझनू मुख्यत: लाभान्वित होते हैं।

प्रश्न – 1. चौधरी कुंभाराम नहर द्वारा लाभान्वित जिला युग्म है? (RAS – 2016)

A. हनुमानगढ़ - झुंझुनूं B. भीलवाड़ा - टोंक

C. बीकानेर - जोधपुर D. बाड़मेर - जैसलमेर

उत्तर - A

- **कँवर सेन लिफ्ट नहर-**
  (प्राचीन नाम लूण करणसर लिफ्ट नहर) यह **सबसे लम्बी लिफ्ट नहर है ।** जिससे बीकानेर व श्रीगंगानगर जिले की जलापूर्ति होती है। इसे बीकानेर की जीवन रेखा कहते हैं ।
- **पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर-**
  (प्राचीन नाम गजनेर लिफ्ट नहर) इससे बीकानेर व नागौर जिले की जलापूर्ति होती है।
- **वीर तेजाजी लिफ्ट नहर-**
  (प्राचीन नाम बांगड़ सर लिफ्ट नहर) यह सबसे छोटी लिफ्ट नहर है जिससे बीकानेर जिले की जलापूर्ति होती है।
- **डॉ. करणी सिंह लिफ्ट नहर-**
  (प्राचीन नाम कोलायत लिफ्ट नहर)।इस से बीकानेर व जोधपुर जिले की जलापूर्ति होती है।
- **गुरु जम्भेश्वर लिफ्ट नहर-**
  (प्राचीन नाम फलौदी लिफ्ट नहर) है जिससे जैसलमेर, बीकानेर व जोधपुर जिले की जलापूर्ति होती है।
- **जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर-**
  (प्राचीन नाम पोकरण लिफ्ट नहर) जिससे जैसलमेर व जोधपुर जिले की जलापूर्ति होती है।

प्रश्न - 3 निम्न मानचित्र में राजस्थान में इंदिरा गाँधी नहर परियोजना की लिफ्ट नहरों की स्थिति 1,2,3 एवं 4 से प्रदर्शित की गई है। मानचित्र में नीचे दिए गए क्रम में इन्हें पहचानिए तथा सही का चयन कीजिए - RAS – 2015

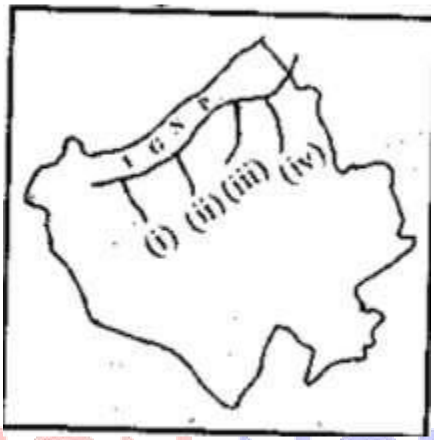

A. डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, चौधरी कुंभाराम लिफ्ट नहर, जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर कंवरसेन लिफ्ट नहर

B. डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर, चौधरी कुंभाराम लिफ्ट नहर, कंवरसेन लिफ्ट नहर

C. जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर, डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, कंवरसेन लिफ्ट नहर, चौधरी कुंभाराम लिफ्ट नहर

D. जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर, कंवरसेन लिफ्ट नहर, डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, चौधरी कुंभाराम लिफ्ट नहर

उत्तर – C

गंग नहर परियोजना (बीकानेर नहर)-

- इस नहर की **आधार शिला बीकानेर के महाराजा गंगासिंह (राजस्थान का भगीरथ)** द्वारा 5 सितम्बर, 1921 ई० में रखी गई, तो इसका उद्घाटन 26 अक्टूबर, 1927 ई० को वायसराय लॉर्ड इरविन ने किया।
- यह राज्य की पहली नहर सिंचाई परियोजना थी, जिसे फिरोजपुर (पंजाब) के निकट हुसैनी वाला नामक स्थान पर सतलज नदी से निकाली गई।

यमुना लिफ्ट नहर (गुड़ गाँव नहर)

- यह नहर हरियाणा व राजस्थान की संयुक्त परियोजना है। इस नहर के निर्माण का मुख्य उद्देश्य मानसूनकाल में यमुना नदी के अतिरिक्त जल को उपयोग लाना है।
- 1966 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ एवं 1985 में पुरा हो गया। यह नहर यमुना नदी में उत्तरप्रदेश के औखला से निकाली गई है।
- यह भरतपुर जिले की कामा तहसील के जुरेरा (जुटेरा) गाँव में राजस्थान में प्रवेश करती है। इससे भरतपुर की कामा व डीग तहसील की जलापूर्ति होती है।
- इसकी कुल लम्बाई 58 कि.मी. है। वर्तमान इसे यमुना लिंक परियोजना कहते हैं।
- कूएँ एवं नलकूपों से सिंचाई करने की दृष्टि से सबसे प्रमुख जिला जयपुर, तालाब से सर्वाधिक सिंचाई भीलवाड़ा, झरनों से सिंचाई बाँसवाड़ा में होती है, तो नहरों से सर्वाधिक सिंचाई श्रीगंगानगर जिले में होती है।

कडाना बाँध –

यह **बाँध गुजरात के माही सागर जिले के रामपुरा गाँव में स्थित है।** इस पर 100 प्रतिशत गुजरात की लागत लगी है।

माही बजाज सागर परियोजना-

- यह **राजस्थान (45% जल) व गुजरात (55% जल) की संयुक्त परियोजना है । इसमें से बनने वाली विद्युत 100 प्रतिशत राजस्थान को मिलेगी।**
- इस परियोजना को 1971 में स्वीकृति मिली थी । तथा 1983 में इंदिरा गाँधी ने सिंचाई का शुभारम्भ किया।
- इस परियोजना का **निर्माण माही नदी पर** किया गया। यह परियोजना आदिवासी क्षेत्र की सबसे बड़ी परियोजना है, जिसमें सर्वाधिक लाभ **बाँसवाड़ा** जिले को मिलता है।

माही बजाज सागर बाँध -

- इसका निर्माण माही बजाज सागर परियोजना के प्रथम चरण में बाँसवाड़ा की बोर खेड़ा तहसील के लोहरिया गाँव में किया गया।
- यह राज्य का सबसे लम्बा बाँध (3109 मीटर) है। यहाँ 1986 में 50 मेगावाट व 1989 में 90 मेगावाट विद्युत का उत्पादन होता था।
- वर्तमान समय में यहाँ 140 मेगावाट विद्युत का उत्पादन होता है।

शोर्ट ट्रिक

माही परियोजना जिन राज्यों की संयुक्त परियोजना है उन राज्यों के नाम -

"माही राज गुर्जर"

सूत्र		राज्य
राज	-	राजस्थान
गुर्जर	-	गुजरात

कागदी पिक अप बाँध-

- **इसका निर्माण माही बजाज सागर परियोजना के द्वितीय चरण में किया गया।**
- इस बाँध से दो नहरें दायीं ओर भीखाभाई सागवाड़ा नहर व बायीं ओर आनन्द पुरी नहर निकलती है।

नर्मदा नहर परियोजना-

- यह परियोजना **गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र की संयुक्त परियोजना है। इस परियोजना को सरदार सरोवर बाँध परियोजना व मारवाड़ की "भागीरथी"** आदि नामों से जाना जाता है।
- इस परियोजना में राजस्थान का हिस्सा (0.5 / 01) एम.ए.एफ. है। (Imp: नर्मदा बचाओं आंदोलन का सम्बन्ध मेघा पाट कर से हैं) ।
- यह राजस्थान की पहली परियोजना है, जिससे सम्पूर्ण सिंचाई फव्वारा पद्धति / स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति से की जाती है ।
- इस परियोजना के तहत सरदार सरोवर बाँध से नहरों के द्वारा राजस्थान में पानी लाया गया है। जिसमें से गुजरात में 458 किलोमीटर व **राजस्थान में 74 किलोमीटर** का निर्माण करवाया गया है।
- इस प्रकार परियोजना की कुल लम्बाई 532 किलो मीटर है।
- इस परियोजना के तहत् सर्वप्रथम राजस्थान में सीलू गाँव (सांचौर तहसील, जालौर) में पानी 27 मार्च, 2008 को आया।

राजस्थान में सकल फसलीकृत क्षेत्र का 33.6% सिंचित है।

कोटा सिंचाई बाँध :-

इसे **कोटा बैराज बाँध भी कहते हैं। यह चम्बल नदी** पर स्थित एक मात्र बाँध है, जिससे सिंचाई होती है । **इसका सभी बाँधों में सर्वाधिक केचमेन्ट एरिया है।** इसमें कुल 8 नहरें है। जिनमें से दो नहरें कोटा में व 6 नहरें बारां में है।

जवाहर सागर बाँध-

यह बाँध **बोरावास (कोटा)** में स्थित है। यह एक पिकअप बाँध है।

राणा प्रताप सागर बाँध :-

- यह बाँध **रावत भाटा के चूलिया जल प्रपात के पास स्थित है। इसके ऊपर कनाड़ा के सहयोग से राजस्थान**

महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1. जल संरक्षण हेतु खड़ीन का प्रचलन किस जिले में है?

A. जैसलमेर B. बीकानेर
C. जोधपुर D. बाड़मेर

उत्तर - A

2. इंदिरा गाँधी नहर का अंतिम छोर है?

A. गड़रारोड़ (बाड़मेर)
B. शाहगढ़ (बाड़मेर)
C. पूगल (बीकानेर)
D. रामगढ़ (जैसलमेर)

उत्तर - A

3. इंदिरा गाँधी नहर किस नदी से निकाली गई है?

A. व्यास
B. सतलुज
C. यमुना
D. झेलम

उत्तर - B

4. नर्मदा परियोजना से किन जिलों का पानी प्राप्त हो रहा है?

A. बीकानेर - श्रीगंगानगर
B. जालौर - बाड़मेर
C. जोधपुर - जैसलमेर
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - B

5. वह कौनसी परियोजना है जिसमें सिंचाई केवल फव्वारा पद्धति से ही करने का प्रावधान है?

A. नर्मदा नहर परियोजना
B. गंग नहर परियोजना
C. इंदिरा गाँधी नहर परियोजना
D. माही बजाज सागर परियोजना

उत्तर - A

6. विश्व की सबसे पुरानी व विकसित नहर व्यवस्था भारत में कौनसी है?

A. गंग नहर
B. इंदिरा गाँधी नहर परियोजना
C. सिकरी नहर
D. कृष्णा गोदावरी नहर व्यवस्था

उत्तर- A

7. राजस्थान का कौन सा क्षेत्र इंदिरा गाँधी नहर से लाभान्वित होगा ?

A. उत्तर- पश्चिम
B. दक्षिण
C. दक्षिण - पश्चिम
D. संपूर्ण राजस्थान

उत्तर - A

8. "सेई" परियोजना का संबंध निम्न में से किस बाँध से है?

A. गाँधी सागर बाँध
B. जवाहर सागर बाँध
C. हरिके बाँध
D. जवाई बाँध

उत्तर - D

9. चंबल घाटी परियोजना पर निम्न दो कौन से बाँध राजस्थान में है ?

A. गाँधी सागर एवं राणा प्रताप सागर
B. जवाहर सागर एवं गाँधी सागर
C. जवाहर सागर एवं राणा प्रताप सागर
D. कोटा बैराज एवं गाँधी सागर

उत्तर - C

10. चौधरी कुंभा राम नहर द्वारा लाभान्वित जिला युग्म है?

A. बाड़मेर - जैसलमेर
B. बीकानेर - जोधपुर
C. भीलवाड़ा - टोंक
D. हनुमानगढ़ - झुंझुनूं

उत्तर - D

अध्याय – II

जनसंख्या-वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात एवं प्रमुख जनजातियाँ

2021 की अनुमानित जनसंख्या

2020 में राजस्थान की अनुमानित जनसंख्या	79,502,477
2021 में पुरुषों की अनुमानित जनसंख्या	41,235,725
2021 में महिलाओं की अनुमानित जनसंख्या	38,266,753

2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या

2011 में राजस्थान की कुल आबादी	**68,548,437**
पुरुषों की जनसंख्या	35,554,169
महिलाओं की जनसंख्या	32,994,268
भारत की जनसंख्या (प्र.)	**5.66%**
लिंग अनुपात	928
बच्चों का लिंग अनुपात	888
घनत्व (प्रति वर्ग कि.मी.)	200
घनत्व (मील प्रति वर्ग)	519
क्षेत्र (प्रति वर्ग कि.मी.)	342,239
क्षेत्र (मील प्रति वर्ग)	132,139
बच्चों की जनसंख्या 0-6 वर्ष	10,649,504
लड़कों की जनसंख्या 0-6 वर्ष	5,639,176
लड़कियों की जनसंख्या 0-6 वर्ष	5,010,328
साक्षरता	**66.11%**
साक्षरता पुरुष (प्र.)	79.19%
साक्षरता महिलाएं (प्र.)	52.13%
कुल साक्षर	38,275,282
साक्षर पुरुष	23,688,412
साक्षर महिलाएं	14,586,870

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

32	झालावाड़	1411129	725143	685986	19.6	946	227	61.5	75.8	46.5
33	प्रतापगढ़	867848	437744	430104	22.8	983	195	56.0	69.5	42.4

सर्वाधिक दशकीय वृद्धि वाले 5 जिले

जिला	प्रतिशत
1. बाड़मेर	**32.5**
2. जैसलमेर	31.8
3. जोधपुर	27.7
4. बाँसवाड़ा	26.5
5. जयपुर	26.2

न्यूनतम

जिला	प्रतिशत
श्रीगंगानगर	**10.0**
झुंझुनूं	11.7
पाली	11.7
बूंदी	11.9
चित्तौड़गढ़	15.4

2001-2011 के दौरान सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाला जिला	**बाड़मेर (32.5%)**
2001-2011 के दौरान न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि वाला जिला	**श्रीगंगानगर (10.00%)**
2001-2011 के दौरान सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि वाला जिला	जैसलमेर (34.5%)
2001-2011 के दौरान न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि वाला जिला	कोटा (6.1%)
2001-2011 के दौरान सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वृद्धि वाला जिला	अलवर (50.5%)
2001-2011 के दौरान न्यूनतम शहरी जनसंख्या वृद्धि वाला जिला	डूंगरपुर (9.8%)
जनसंख्या घनत्व	200 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.

सर्वाधिक जनघनत्व वाले 5 जिले

1. जयपुर	**595**
2. भरतपुर	503
3. दौसा	476
4. अलवर	438
5. धौलपुर	398

न्यूनतम जनघनत्व वाले 5 जिले

जैसलमेर	**17**
बीकानेर	78
बाड़मेर	92
चूरू	147
जोधपुर	161

प्रश्न – 2. जनगणना 2011 के अनुसार क्रमशः भारत एवं राजस्थान की नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत क्या है? RAS - 2018

A. 24.87% व 31.15%

B. 34.15% व 24.87%

C. 21.87% व 34.15 %

D. 31.15% व 24.87%

उत्तर - D

लिंगानुपात (प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या)- 928

- **शहरी लिंगानुपात 914**
- **ग्रामीण लिंगानुपात 933**

सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला : डूंगरपुर (994 महिला / 1000 पुरुष)

सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला : धौलपुर (846 महिला/ 1000 पुरुष)

सर्वाधिक लिंगानुपात वाले 5 जिले

डूंगरपुर	994
राजसमंद	990
पाली	987
प्रतापगढ़	983
बाँसवाड़ा	980

न्यूनतम लिंगानुपात वाले 5 जिले

धौलपुर	846
जैसलमेर	852
करौली	861
भरतपुर	880
श्रीगंगानगर	887

सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला (ग्रामीण क्षेत्र में)	पाली (1003 महिला / 1000 पुरुष)
सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला (ग्रामीण क्षेत्र में)	धौलपुर (841 महिला / 1000 पुरुष)
सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला (शहरी क्षेत्र में)	टोंक (985 महिला / 1000 पुरुष)
सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला (शहरी क्षेत्र में)	जैसलमेर (807 महिला / 1000 पुरुष)

• त्यौहार

• हिंदुओं के प्रमुख त्यौहार

➢ **हिन्दू कैलेंडर के अनुसार देशी महीने**

1. **चैत्र** –मार्च-अप्रैल
2. **वैशाख** –अप्रैल -मई
3. **ज्येष्ठ** –मई-जून
4. **आषाढ़** –जून-जुलाई
5. **श्रावण**-जुलाई- अगस्त
6. **भाद्रपद**-अगस्त -सितम्बर
7. **अश्विन**-सितम्बर- अक्टूबर
8. **कार्तिक** – अक्टूबर –नवम्बर
9. **मार्गशीर्ष** –नवम्बर – दिसम्बर
10. **पौष** –दिसम्बर- जनवरी
11. **माघ** –जनवरी-फरवरी
12. **फाल्गुन** –फरवरी –मार्च

- **हिंदुओं के प्रमुख त्यौहार**

➢ राजस्थान में त्योहारों से सम्बन्धित एक कहावत प्रचलित है- "तीज त्यौहार ले बावड़ी ले डूबी गणगौर।" अर्थात तीज के साथ त्योहारों की शुरुआत हो जाती है और गणगौर के साथ समापन हो जाता है।

➢ **गणगौर**

- इस त्यौहार में सुहागन स्त्रियाँ शिव-पार्वती की पूजा करती है।
- गणगौर में 'गण' महादेव का व गौरी पार्वती का प्रतीक है।
- इस दिन कुँवारी कन्याएँ मनपसंद वर प्राप्ति की तथा विवाहित स्त्रियाँ अपने अखंड सौभाग्य की कामना करती है।
- गणगौर का त्यौहार पार्वती के "गौने" का सूचक है।
- गणगौर का त्यौहार लगभग 18 दिन तक (चैत्र कृष्ण एकम से शुरू होकर चैत्र शुक्ल तृतीया) चलता है।
- इन दिनों सर्वाधिक घूमर नृत्य किया जाता है।
- जयपुर की गणगौर प्रसिद्ध है।
- धींगा गणगौर एवं बेंतमार मेला जोधपुर में लगता है।
- उदयपुर के महाराणा राजसिंह प्रथम ने अपनी छोटी महारानी को प्रसन्न करने के लिए रीति के विरुद्ध जबरदस्ती वैशाख कृष्ण तृतीया को गणगौर मनाने का प्रचलन प्रारंभ किया था जिससे इसका नाम धींगा गणगौर प्रसिद्ध हुआ।
- बिना ईसर की गणगौर जैसलमेर में पूजी जाती है।
- राजस्थान में नाथद्वारा क्षेत्र में चैत्र शुक्ल पंचमी को गुलाबी गणगौर मनाई जाती है ।

➢ **शीतला अष्टमी**

- यह त्यौहार चैत्र कृष्ण अष्टमी को मनाया जाता है।
- इस दिन शीतला माता को ठंडा भोग चढ़ाया जाता है एवं शीतला माता की पूजा की जाती है और व्रत भी रखा जाता है।
- समस्त भोजन सप्तमी की संध्या को बनाकर रखा जाता है।
- इस दिन बासी खाना खाया जाता है जिससे इसे 'बास्योड़ा' कहा जाता है ।
- बच्चो के चेचक निकलने पर शीतला माता की पूजा की जाता है।
- इसलिए शीतला माता को बच्चों की सरंक्षिका भी कहा जाता है।
- शीतला माता का मंदिर चाकसू-जयपुर में है ।
- मंदिर का निर्माण माधोसिंह द्वितीय द्वारा करवाया गया।
- शीतला माता का वाहन गधा होता है , माता के पुजारी कुम्हार जाती के लोग होते है।

➢ **घुड़ला का त्यौहार**

- यह त्यौहार जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर आदि जिलो में चैत्र कृष्ण अष्टमी से शुरु होकर चैत्र शुक्ल तृतीया तक चलता है।

घुड़ला त्यौहार का आरम्भ

कोसाणा गांव में लगभग 200 कुंवारी कन्याएँ गणगौर पर्व की पूजा कर रही थी । घुडला खान मुसलमान सरदार अपनी फ़ौज के साथ निकल रहा था, उसने सभी बच्चियों का अपहरण कर लिया, इसकी सूचना गाँव के कुछ घुड़सवारों ने जोधपुर के राव सातल सिंह राठौड़ जी को दी। राजपुतो की तलवारों ने भागती मुग़ल सेना का पीछा कर ख़ात्मा कर दिया । राव सातल सिंह जी ने तलवार के भरपुर वार से एक ही झटके में दुष्ट घुडला खान का सिर धड़ से अलग कर दिया। राव सातल सिंह ने सभी बच्चियों को मुक्त करवाकर उनके सतीत्व की रक्षा की। गांव वालों ने उस दुष्ट घुडला खान का कटा हुआ सिर बच्चियों को सोंप दिया। बच्चियो ने घुडला खान के सिर को घड़े पर रख कर उस घड़े में जितने घाव घुडला खान के शरीर पर हुये, उतने छेद किये और फिर पुरे गाँव में घुमाया एवं हर घर में रोशनी की गयी। तभी से घुडला त्यौहार मनाया जाता है ।

- ➢ **नववर्ष**
- यह चैत्र शुक्ल एकम को मनाया जाता है।
- इस दिन हिन्दुओं का नया वर्ष शुरु होता है।
- हिंदी पंचांग में इस तिथि का बहुत अधिक महत्व है।
- ➢ **वसन्तीय नवरात्र**
- यह नवरात्र चैत्र शुक्ल एकम से नवमी तक चलते है।
- इसमें इन नौ दिनों में माँ दुर्गा की पूजा की जाती है।
- ➢ **अरुंधति व्रत**
- यह व्रत चैत्र शुक्ल एकम से चैत्र शुक्ल तृतीया तक चलता है।
- ➢ **अशोकाष्टमी**
- यह चैत्र शुक्ल अष्टमी को मनाया जाता है। इस दिन अशोक वृक्ष की पूजा की जाती है।
- ➢ **रामनवमी**
- यह त्यौहार अंतिम नवरात्र (चैत्र शुक्ल नवमी) के दिन भगवान श्री राम के जन्म दिन पर मनाया जाता है।
- इस दिन रामायण का पाठ किया जाता है।
- श्रद्धालुगण सरयू नदी में स्नान करके पुण्य लाभ कमाते है।
- ➢ **आखा तीज/अक्षय तृतीया**
- यह वैशाख शुक्ल तृतीया को मनाया जाता है।
- यह एक अबूझ सावा है।
- इस दिन राजस्थान में सर्वाधिक बाल विवाह होते है।
- इस दिन किसान लोग अपने हल एवं सात अन्ना की पूजा करते है और शीघ्र वर्षा होने की कामना करते है।
- इसी दिन सतयुग एवं त्रेतायुग का आरम्भ माना जाता है।
- ➢ **वट सावित्री व्रत (बड़मावस)**
- यह ज्येष्ठ अमावस्या को मनाया जाता है।
- इस दिन स्त्रियां व्रत रखकर बड़ या बरगद की पूजा कर अपने पुत्र एवं पति की आरोग्यता के लिए प्रार्थना करती है।
- ➢ **निर्जला एकादशी**
- यह ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी को मनाया जाता है।
- निर्जला एकादशी सभी 24 एकादशियों में सबसे पवित्र है।
- यह एकादशी इस दिन मनाया जाने वाले जल-कम (निर्-जल) से इसको निर्जला एकादशी कहते है, इस व्रत में एकादशी के सुर्योदय से द्वादशी के सूर्योदय तक जल ग्रहण नहीं किया जाता है ।
- इस दिन महिलाएं बिना जल ग्रहण किये व्रत करती है।
- ➢ **पीपल पूर्णिमा (ज्येष्ठ पूर्णिमा)**
- ज्येष्ठ पूर्णिमा को मनाया जाता है।
- पीपल पूर्णिमा के दिन पीपल वृक्ष की पूजा की जाती है।
- हिंदू धर्म में ज्येष्ठ पूर्णिमा एक साल में पड़ने वाली पूर्णिमा में से सबसे ज्यादा माने जाने वाली पूर्णिमा है।
- यह भी एक अबूझ सावा माना जाता है।
- ➢ **योगिनी एकादशी**
- आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है ।
- हिन्दू धर्म में योगिनी एकादशी का बड़ा महत्व है माना जाता है की है यदि कोई योगिनी एकादशी का व्रत करता है तो सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- ➢ **देवशयनी ग्यारस**
- यह आषाढ़ शुक्ल एकादशी को मनाई जाती है।
- कहा जाता है की इस दिन भगवान विष्णु चार माह के लिए सो जाते है और इस दिन से चार माह तक कोई भी मांगलिक कार्य सम्पन्न नहीं किये जाते है ।
- ➢ **गुरु पूर्णिमा**
- यह आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूजन के साथ मनाया जाता है।
- गुरु पूर्णिमा जिसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है ।
- इस दिन वेद व्यास का जन्म हुआ था।
- इस दिन गुरु को यथाशक्ति दक्षिणा देकर पूजा की जाती है ।
- ➢ **नाग पंचमी**
- नागों का यह त्यौहार श्रावण कृष्ण पंचमी को मनाया जाता है।
- नाग पंचमी का मेला जोधपुर में लगता है।
- इस दिन नागों की पूजा की जाती है।
- ➢ **उब छंट/ हल छठ**
- यह भाद्रपद कृष्ण षष्ठी को मनाई जाती है।
- इस दिन अविवाहित बालिकाएं पुरे दिन खड़े रहकर चंद्र दर्शन करके भोजन करती है।
- इस दिन बलराम का जन्म दिन मनाया जाता है।

अध्याय – 6

लोक संगीत एवं लोक नृत्य

- **शास्त्रीय संगीत**
- **शास्त्रीय नृत्य**
- **लोक संगीत एवं लोकगीत**
- **लोक नृत्य एवं नाट्य**

➢ संगीत से तात्पर्य गायन, वादन एवं नृत्य से है और यही तीन पक्ष इसके विकास के द्योतक हैं ।

➢ संगीत कला को दो भागों में बांटा जाता है-

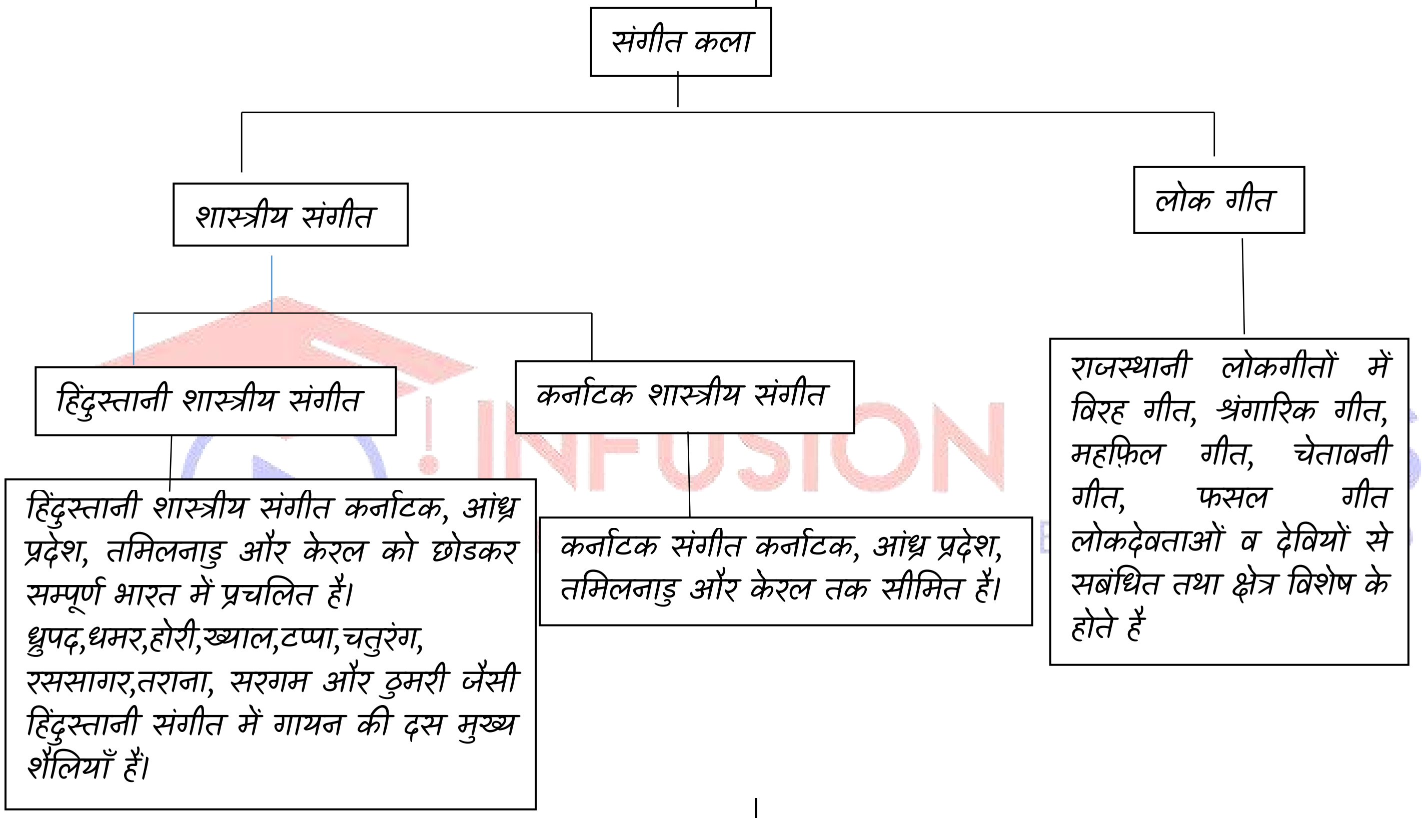

शास्त्रीय संगीत

- यह एक विशिष्ट गायन , वादन तथा नृत्य शैली का सूचक होता है जिसमें निश्चित नियमों का पालन किया जाता है ।
- इसमें भारतीय एवं ईरानी संगीत का समन्वय हुआ है ।
- भारतीय शास्त्रीय संगीत की परम्परा का संरक्षण विशिष्ट गुरु तथा शिष्य परम्परा के संयोग से बनता है , उस विशिष्ट गुरु शिष्य परम्परा को ' घराना ' कहा जाता है ।

- **राजस्थान में गायन, वादन व नृत्य के प्रमुख घराने**

राजस्थान में गायन के प्रमुख घराने		
घराना	**प्रवर्तक**	**विशेषताएँ**
जयपुर घराना	मनरंग (भूपत खां)	ख्याल गायन शैली का घराना है। मुहम्मद अली खां कोठी वाले इस घराने के प्रसिद्ध संगीतज्ञ हुए हैं।
पटियाला घराना	फ़तेह अली व अली बख्श(टोंक के नवाब	यह जयपुर घराने की उपशाखा है। (प्रसिद्ध पाकिस्तानी गजल गायक

	इब्राहीम के दरबारी)	गुलाम अली इसी घराने के सदस्य है)
मेवाती घराना	उस्ताद घग्घे नजीर खां	इन्होंने जयपुर की ख्याल गायकी को ही अपनी विशिष्ट शैली में विकसित कर यह घराना प्रारम्भ किया।
डागर घराना	बहराम खां डागर	महाराजा रामसिंह के दरबारी गायक
रंगीला घराना	रमजान खां 'मियाँ रंगीले	मियाँ रंगीले जोधपुर के गायक इमाम बख्श के शिष्य थे।

राजस्थान में वादन के प्रमुख घराने		
घराना	**प्रवर्तक**	**विशेषताएँ**
बीनकार घराना(जयपुर	रज्जब अली बीनकार	रज्जब अली जयपुर के महाराजा रामसिंह के दरबार में प्रसिद्ध बीनकार थे।
सेनिया घराना(जयपुर)	तानसेन के पुत्र सूरत सेन	यह सितारवादियों का घराना है। इस घराने के गायक ध्रुपद की गौहर वाणी व खण्डारवाणी में सिद्धहस्त थे।

राजस्थान में नृत्य के प्रमुख घराने		
घराना	**प्रवर्तक**	**विशेषताएँ**
जयपुर का कथक घराना	भानूजी	उत्तर भारत के प्रसिद्ध शासीय नृत्य कथक का उद्भव राजस्थान में 13वीं सदी में माना जाता है।

राजस्थान की प्रमुख स्थानीय गायन शैलियाँ

(i) माँड गायिकी

- माँड क्षेत्र (जैसलमेर) में गाई जाने वाली राग ' माँड ' राग कहलाई।
- राज्य की प्रसिद्ध माड गायिकाएँ - श्रीमती बन्नो बेगम (जयपुर) स्व . हाजन अल्लाह - जिलाह बाई (बीकानेर) , स्व . गवरी देवी (बीकानेर) , गवरी देवी (पाली) , माँगीबाई (उदयपुर) , श्रीमती जमीला बानो (जोधपुर) आदि ।

(ii) मांगणियार गायिकी

- माँगणियार मुस्लिम मूलतः सिंध प्रांत के है।
- राजस्थान की पश्चिमी मरूस्थलीय सीमावर्ती क्षेत्रों बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर आदि में मांगणियार जाति के लोगों द्वारा अपने यजमानों के यहाँ मांगलिक अवसरों पर गायी जाती है।
- मांगणियार गायिकी में मुख्यतः 6 राग एवं 36 रागनियाँ होती है ।
- इनके प्रमुख वाद्य कमायचा , खड़ताल आदि है।
- प्रमुख मांगणियार कलाकार -साकर खाँ मांगणियार (कमायचा वादक) साफर खाँ (ढोलक वादक), स्व . सद्दीक खाँ मांगणियार (प्रसिद्ध खड़ताल वादक) ।

(iii) लंगा गायिकी

- बीकानेर , बाड़मेर , जोधपुर एवं जैसलमेर जिले के पश्चिमी क्षेत्रों में मांगणियारों की तरह मांगलिक अवसरों एवं उत्सवों पर लंगा जाति के गायकों द्वारा गायी जाने वाली गायन शैली ' लंगा गायिकी ' कहलाती है ।
- सारंगी व कमायचा इनके प्रमुख वाद्य है।
- राजपूत इनके यजमान होते है।
- प्रमुख लंगा कलाकार- फूसे खाँ , महरदीन लंगा , अल्लादीन लंगा , करीम खाँ लंगा ।

(iv) तालबंदी गायिकी

- राजस्थान के पूर्वी अंचल - भरतपुर, धौलपुर , करौली एवं सवाई माधोपुर आदि में लोक गायन की शास्त्रीय परम्परा है, जिसमें राग - रागनियों से निबद्ध प्राचीन कवियों की पदावलियाँ सामूहिक रूप से गायी जाती है, इसे ही तालबंदी ' गायिकी कहते है ।
- इसमें प्रमुख वाद्य सारंगी , हारमोनियम , ढोलक , तबला व झाँझ है एवं बीच - बीच में नगाड़ा भी बजाते है ।

- यह राजस्थान का राजकीय नृत्य हैं ।
- यह नृत्य मारवाड़ व मेवाड़ में राजघराने की महिलाओं द्वारा गणगौर पर किया जाता है ।
- राजस्थान की संस्कृति का पहचान चिह्न बन चुका ' घुमर ' नृत्य राजस्थान के ' लोकनृत्यों की आत्मा ' कहलाता है।
- इसे सिरमौर नृत्य व नृत्यों की आत्मा सामंतशाही नृत्य , रजवाड़ी नृत्य , महिलाओं का सर्वाधिक लोकप्रिय नृत्य कहते हैं ।
- यह गरबा नृत्य की तरह किया जाता है ।
- घूमर- साधारण स्त्रियों द्वारा किया जाता है।
- झूमरिया- यह बालिकाओं द्वारा किया जाता है।

➢ **झूमर नृत्य**

- हाड़ौती क्षेत्र में स्त्रियों द्वारा मांगलिक अवसरों एवं त्यौहारों पर किया जाने वाला गोलाकार नृत्य जो डाण्डियों की सहायता से किया जाता है।

➢ **घुमरा नृत्य**

- इसे भील जनजाति की महिला करती है।
- यह गरबा जैसा होता है।
- यह मांगलिक अवसर पर किया जाता है ।
- यह अर्द्ध वृताकार घेरे में महिलायें करती हैं ।
- इस नृत्य में 2 दल होते हैं जिसमें एक दल गाता है तथा दूसरा नाचता है।

➢ **घूमर-घूमरा नृत्य**

- घूमर - घूमरा नृत्य राजस्थान का एकमात्र शोक सूचक नृत्य है।
- जो केवल वागड़ क्षेत्र के कुछ ब्राह्मण समुदाय में किया जाता है ।

➢ **ढोल नृत्य**

- राजस्थान के जालौर क्षेत्र में शादी के अवसर पर पुरुषों के द्वारा सामूहिक नृत्य करते हुए विविध कलाबाजियाँ दिखाते हैं।
- इस नृत्य को प्रकाश में लाने का श्रेय जयनारायण व्यास को जाता है।
- यह नृत्य ढोली, सरगरा, माली, भील आदि जातियों द्वारा किया जाता है।
- इस नृत्य में कई ढोल एवं थालियाँ एक साथ बजाए जाते हैं।
- ढोलवादकों का मुखिया थाकना शैली में ढोल बजाना प्रारम्भ करता है।

➢ **घुड़ला नृत्य**

- घुड़ला नृत्य विशेष रूप से जोधपुर जिले में किया जाता है ।
- घुड़ला नृत्य युवतियों के द्वारा किया जाता है ।
- घुड़ला नृत्य में स्त्रियाँ सुंदर श्रृंगार करके गोलाकार पथ पर नृत्य करती है ।
- घुड़ला नृत्य करते समय महिलाओं के सिर पर छिद्रित मटके रखे होते है । जिनमें जलता हुआ दीपक रखा जाता है । इस मटके को ही घुड़ला कहते हैं ।
- शीतला अष्टमी (चैत्र कृष्णा -8) पर घुडले का त्यौहार मनाया जाता है ।
- घुड़ला नृत्य को सर्वप्रथम मारवाड़ में घुड़ले खाँ की बेटी गिंदोली ने गणगौर उत्सव के समय शुरु किया था ।
- यह नृत्य दिन में नहीं अपितु रात्रि में किया जाता है ।
- इसमें चाल मंद व मादक होती है व घुड़ले को नाजुकता से संभाला जाता है , जो दर्शनीय है ।

- **घुड़ला नृत्य से एक कथा जुड़ी हुई है-** एक बार मारवाड़ के पीपाड़ा नामक स्थान पर स्त्रियाँ तालाब पर गौरी पूजन कर रही थी तभी अजमेर का सूबेदार मल्लू खाँ 140 कन्याओं का हरण करके ले जाता है । जोधपुर नरेश सातल देव ने इनका पीछा किया । इनका भयंकर युद्ध हुआ , जिसमें मल्लू खाँ के सेनापति घुडले का सिर छिद्रित कर सातल देव द्वारा लाया गया तब से यह नृत्य किया जाता है ।

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=1253s

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (Ist Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp करें - https://wa.link/0yupe6

Online order करें - https://shorturl.at/pwFNP

Call करें - 9887809083